राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 263 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,23 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

अयोध्या में बनेगी श्री राम यूनिवर्सिटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने अयोध्या में श्री राम यूनिवर्सिटी स्थापित किए जाने की घोषणा की है। शर्मा के पास उच्च शिक्षा मंत्रालय भी है। 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव निजी क्षेत्र से आया है और इस यूनिवर्सिटी के 2022 तक शुरू होने की संभावना है।

आईआईएम कोलकाता निदेशक अंजू सेठ का इस्तीफा

नई दिल्ली। आईआईएम कोलकत्ता की निदेशक अंजू सेठ ने इस्तीफा दे दिया है। निदेशक के रूप में अंजू सेठ का अभी 1 वर्ष का कार्यकाल शेष था, लेकिन चेयरमैन से हुए विवाद के उपरांत उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह आईआईएम कलकत्ता की पहली महिला निदेशक थीं।

वामपंथी मोर्चे की प्रचारक शैलजा के खिलाफ शिकायत

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के एर्नाकुलम जिले के प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की स्टार प्रचारक और राज्य की स्वास्थ्य मंत्री के.के.शैलजा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शैलजा के खिलाफ शिकायत की गई है कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान नियमों का उल्लंघन किया है।

श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर एकतरफा यातायात जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर बारिश के बावजूद सोमवार को एकतरफा यातायात की अनुमति दी गई। राज्य के 270 किलोमीटर लम्बे राजमार्ग पर फंसे भारी वाहनों को आज श्रीनगर की ओर जाने की अनुमति दी गई। इस बीच, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग कश्मीर के ऐतिहासिक मुगल रोड और अनंतनाग-किश्तवाड़ मार्ग बंद पड़ा है।

मतदान के 72 घंटे पहले बाइक रैली निकालने पर लगी रोक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान से 72 घंटे पहले संबंधित क्षेत्र में बाइक रैली पर रोक लगा दी गई है। ताकि राजनीतिक दलों के लोग मतदाताओं को प्रभावित न कर सकें। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस समय पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी और असम में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं।

परम बीर सिंह चिट्ठी `बम´ प्रकरण

पवार ने गृहमंत्री को दी क्लीन चिट, अस्पताल में थे देशमुख, वाझे से नहीं की मुलाकात

(एजेंसी)

नई दिल्ली । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख को क्लीन चिट दे दी है और कहा है कि मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख परम बीर सिंह के पत्र में लगाए गए गए देशमुख के खिलाफ आरोप 'अस्पष्ट' हैं। पवार ने सोमवार को दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 5 फरवरी से 15 फरवरी तक, देशमुख को कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और अस्पताल ने एक प्रमाण पत्र जारी किया है। 16 से 27 फरवरी तक, वह होम क्वारंटीन में थे। अगर आप मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर के पत्र को देखते हैं, तो उसमें उल्लेख है कि फरवरी के मध्य में उन्हें कुछ अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया था कि उन्हें महाराष्ट्र के गृह मंत्री से ऐसा करने का निर्देश मिला है।

पूर्व पुलिस प्रमुख के आरोप निराधार बताए

राकांपा बोली-देशमुख के इस्तीफे का सवाल ही नहीं

संसद में भी उठा मामला

ये मुद्दा संसद के दोनों सदनों में भाजपा ने उठाया। राज्यसभा में, केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने सोमवार को अनिल देशमुख रिश्वत मुद्दे को उठाया, जबकि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने महाराष्ट्र सरकार को बर्खास्त करने के लिए सदन में नारेबाजी की। प्रश्नकाल के दौरान, जब जावडेकर की बारी उनके मंत्रालय से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देने की आई, तो उन्होंने कहा कि मैं सवाल नहीं सुन सकता हूं। लेकिन महाराष्ट्र में, मंत्री 100 करोड़ घूस ले रहे हैं और पुलिस बम लगा रही है जो पहले आतंकवादी किया करते थे। सत्ता पक्ष ने राज्य सरकार से देशमुख को बर्खास्त करने की मांग की।

हिरेन की पत्नी का बयान दर्ज करने आवास पहुंची एनआईए

मुंबई। व्यवसायी मनसुख हिरेन की मौत की जांच के लिए मामला दर्ज करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उनकी पत्नी और अन्य लोगों के बयान दर्ज करने के लिए उनके आवास का दौरा किया।

बर्खास्तगी की मांग का कोई मतलब नहीं

महाराष्ट्र के गृह मंत्री की बर्खास्तगी की भाजपा की मांग पर पवार ने कहा कि जिस अवधि के दौरान देशमुख के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, उस दौरान वो अस्पताल में भर्ती थे। इसलिए, उनकी बर्खास्तगी की मांग का कोई मतलब नहीं है। पवार ने आरोप लगाया कि मुंबई पुलिस के पूर्व शीर्ष अधिकारी के पास कोई सबूत नहीं है और इसलिए देशमुख को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आरोप उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास पाए गए विस्फोटक से लदे

परमबीर सिंह पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख कर महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के कथित कदाचार की सीबीआई से 'पूर्वाग्रह रहित, अप्रभावित, निष्पक्ष और स्वतंत्र' जांच कराने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया। सिंह, 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने मुंबई के पुलिस आयुक्त पद से उनके तबादले को 'मनमाना' और 'गैरकानूनी' होने का आरोप लगाते हुए इस आदेश को रद्द करने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है, ''याचिकाकर्ता ने साक्ष्यों को नष्ट कर दिए जाने से पहले, महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के कदाचार की पूर्वाग्रह रहित, अप्रभावित, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने का इस अदालत से अनुरोध करते हुए रिट अधिकारक्षेत्र का सहारा लिया है।

दिल्ली में उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियां देने वाला विधेयक लोस से पारित

(एजेंसी)

- संघीय ढांचे में हस्तक्षेप का आरोप गलतः सरकार
- बिल के पारित होने से उपराज्यपाल के अधिकार बढ़ेंगे

नई दिल्ली । लोकसभा ने दिल्ली में उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियां प्रदान करने वाला 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2021' सोमवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक को लेकर विपक्ष का संघीय ढांचे में हस्तक्षेप का आरोप गलत है। उनका कहना था कि उपराज्यपाल को कोई अधिकार नहीं दिया गया है लेकिन इस विधेयक के पारित होने से उपराज्यपाल के अधिकार बढ़ेंगे और संघीय ढांचे वाली व्यवस्था तथा केंद्र शासित प्रदेश की कार्य प्रणाली को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं है और केंद्र शासित राज्य के रूप में उसके अधिकार सीमित हैं। दिल्ली में शासन के अधिकारों को लेकर विवाद रहा है इसलिए बार बार न्यायालय में जाना पडता था लेकिन इस विधेयक में अधिकारों को लेकर स्पष्टता है और इसके पारित होने के बाद उपराज्यपाल के अधिकारों को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक दिल्ली के लोगों के फायदे के लिए लाया गया है। श्री रेड्डी ने कहा कि दिल्ली एक केंद्र शासित प्रदेश है इसलिए दिल्ली विधानसभा की तुलना अन्य राज्यों की विधानसभा से नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि 1991 में दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर बालकृष्ण समिति के आधार पर इसके प्रशासनिक ढांचे को तैयार किया गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष गलत प्रचार कर सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। उनका कहना था कि इस विधेयक से दिल्ली में अधिकारों को लेकर जो अस्पष्टता थी उनको दूर करने का काम किया गया है।

असम में गरजीं प्रियंका गांधी

आदिवासियों के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया

- जीत के लिए प्रियंका गांधी ने झोंकी ताकत
- निशाने पर मोदी सरकार, उठाए मंशा पर सवाल

गोलाघाट, 22 मार्च (एजेंसियां)। 2021 असम में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर सूबे में सियासी गतिविधियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी सोमवार को चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए असम के गोलाघाट पहुंची। जहां उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं और चाय बगान में काम करने वाले आदिवासियों के लिए सरकार ने कुछ भी नहीं किया। प्रियंका गांधी ने हमला जारी रखते हुए आगे कहा कि मोदी सरकार ने अपने एक अरबपति दोस्त को एयरपोर्ट को बेच दिया। नागौन में बीजेपी के बड़े मित्र को किसानों की जमीन लेकर दे दी गई। ओएनजीसी को प्राइवेटाइज करने के साथ ही अपने मित्र को बेचने की साजिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि असम भाजपा में दो गुट हैं। जैसे महाभारत में शकुनी मामा थे और धृतराष्ट्र थे, उसी तरह से आज असम की सरकार में एक शकुनी समान नेता है और एक धृतराष्ट्र समान नेता है। असम के गोलाघाट में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने साथ ही कहा कि पांच साल में भारतीय जनता पार्टी ने असम को गरीबी और दुखों से भरा है। उन्होंने काम करने के आपसे जो वादे किए थे, उस तरह से काम नहीं किया है।

असम में सत्ता बरकरार रखेगी भाजपाः शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखेगी, क्योंकि लोगों को यह एहसास हो गया है कि कांग्रेस–एआईयूडीएफ गठबंधन घुसपैठ और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में सक्षम नहीं है। जोनाई, माजुली और उदलगुरी में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि कांग्रेस को लोगों को बताना होगा कि वह सीमा पार से घुसपैठ की जांच कैसे करेगी। उन्होंने कहा, जब हमारी सरकार असम में विकास कर रही है, तो कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए एक सांप्रदायिक ताकत के साथ गठबंधन करती है।

कश्मीर मुठभेड़ में लश्कर के 4 आतंकी ढेर

- आतंकियों का लश्कर-ए-तैयबा से है संपर्क

श्रीनगर। पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने सोमवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इससे पहले उन्हें बार-बार सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन वे नहीं माने। मुठभेड़ की समाप्ति के बाद श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर रेंज, विजय कुमार ने कहा कि आतंकवादियों को आत्मसमर्पण कराने के प्रयास किए गए, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई और चारों आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हम फंसे हुए आतंकवादियों के परिवार के सदस्यों को मुठभेड़ स्थल पर ले आए और बार-बार आत्मसमर्पण के प्रस्ताव दिए गए, जो उनके द्वारा ठुकरा दिए गए।

प्रधानमंत्री ने की जल शक्ति अभियान की शुरुआत, कहा

भारत का विकास जल स्रोतों पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

- जलशक्ति के प्रति जागरुकता और प्रयास दोनों बढ़ रहे हैं
- 4 करोड़ गरीब परिवारों को पानी का कनेक्शन दिया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विश्व जल दिवस के मौके पर जल शक्ति अभियान की शुरुआत की। कोरोना वायरस की वजह से प्रधानमंत्री मोदी ने इस अभियान को वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लॉन्च किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि मौजूदा समय में जलशक्ति के प्रति जागरुकता और प्रयास दोनों बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत में पानी की समस्या के समाधान के लिए 'कैच द रैन' की शुरुआत के साथ ही केन बेतवा लिंक नहर के लिए भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। अटल जी ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लाखों परिवारों के हित में जो सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए ये समझौता अहम है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि जब हम जब तेज विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो ये पानी की सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के बिना संभव ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का विकास हमारे जल स्रोतों और कनेक्टिविटी पर निर्भर है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पानी से जुड़ी सभी योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। इसमें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, हर खेत को पानी अभियान, पर ड्रॉप मोर क्रॉप अभियान, नमामि गंगे मिशन, जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में आगे बताया कि डेढ़ साल पहले तक, 19 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल 3.5 करोड़ घरों में ही नल का कनेक्शन था लेकिन जल जीवन मिशन के शुरू होते ही, करीब चार करोड़ गरीब परिवारों के पास नल का कनेक्शन है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने पानी की गुणवत्ता की जांच में इस तरह का समर्पण दिखाया है। इस पहल में ग्रामीण महिलाओं को भी जोड़ा गया है। कोरोना के दौरान करीब 4.5 लाख महिलाओं को जल परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया था।

केंद्र सरकार का अहम निर्देश

अब 1 नहीं 2 महीने में लगेगी कोविशील्ड की दूसरी डोज

अभी दूसरी डोज 4 से 6 हफ्ते में दी जाती है

नई दिल्ली, 22 मार्च **एजेंसी।** भारत में कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते प्रकोप के साथ ही टीकाकरण अभियान भी काफी तेजी से चल रहा है। देश में अब तक 4.5 करोड़ से ज्यादा कोरोना वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। इस बीच केंद्र सरकार की ओर से सोमवार को सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविशील्ड को लेकर एक अहम निर्देश दिया गया है। सरकार का कहना है कि अब कोविशील्ड की पहली और दूसरी खुराक के बीच के अंतर को बढ़ा दिया गया है। इस अंतर को अब कम से कम 6 से 8 हफ्ते का कर दिया गया है। इससे पहले कोविशील्ड की दूसरी डोज को 4 से 6 हफ्ते में दिया जाता था। सरकार का कहना है कि यह निर्णय केवल कोविशील्ड के लिए लिया गया है। कोवैक्सिन पर यह लागू नहीं होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को कहा गया कि महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश में कोविड–19 के मामले बढ़ रहे हैं और संक्रमण के नए मामलों में इन राज्यों की भागीदारी 80.5 प्रतिशत है।

मध्य प्रदेश में चलेगा मेरा घर-मेरी होली अभियान, घर पर ही त्योहार मनाने का आदेश

भोपाल । राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सभी जिलों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों से रूबरू हुए।

इस बैठक के दौरान कहा कि, बढ़ते समय के साथ कोरोना की रफ़्तार भी कम नहीं हो रही है और ऐसे में राज्य में किसी भी आयोजन में 20 से अधिक लोगों की संख्या नहीं होगी। इसके अलावा महाराष्ट्र से जुड़े जिलों में विशेष सतर्कता रखी जाए। साथ ही हर साल होली के अवसर पर अशोकनगर में आयोजित होने वाला होली मेला भी इस साल स्थगित कर दिया गया है।

सीएम शिवराज की इस मीटिंग में विधायक और सांसद भी मौजूद रहे। सीएम बैठक में कहा कि, सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि और अफसर ÷मेरा मास्क मेरी सुरक्षा स्लोगन के साथ सोशल मीडिया पर भी पोस्ट करें। इसको लेकर जन जागरण अभियान भी चलाएं। इसके साथ ही रोज सुबह 11 बजे और शाम 7 बजे खुद मास्क लगाकर लोगों को भी मास्क लगाने के से प्रेरित करें। उन लोगों को रोकें-टोकें, जिन्होंने मास्क नहीं लगाए। इस कार्य में सभी वर्गों के धर्मगुरु भी सरकार का सहयोग करें।

ममता बनर्जी ने कहा, गद्दार है अधिकारी परिवार; हजारों करोड़ का खड़ा किया साम्राज्य

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के प्रभावशाली अधिकारी परिवार पर निशाना साधा और कहा कि इस गद्दार परिवार ने हजारों करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इसकी समय रहते सही जानकारी नहीं मिल सकी और अधिकारी परिवार के के असली चेहरे को नहीं पहचान पाने के लिए खुद को दोषी ठहराया। दरअसल, ममता के निशाने पर हाल ही में तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सुवेंदु अधिकारी के साथ उनके पिता शिशिर अधिकारी भी थे, जो आज गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें गद्दार सुवेंदु अधिकारी के बारे में समय रहते सही जानकारी ही नहीं मिल सकी। उ‍न्‍होंने सुवेंदु अधिकारी पर आरोप लगाया कि जब वह सहकारी बैंकों और विभिन्न राज्य सरकार के शीर्ष पदों पर बैठे थे, तब हजारों करोड़ का गबन किया था। ममता बनर्जी ने कहा कि किसी ने उन्हें बताया है कि अधिकारी परिवार ने लगभग 5000 करोड़ रुपये कमाए हैं। सत्ता में आने के बाद वह इसकी जांच करवाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे वोट खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल करेंगे। लेकिन आप लोग उन्हें वोट न दें। टीएमसी प्रमुख ने भाजपा को दुष्टों, गुंडों और डकैतों की पार्टी करार दिया।

ममता बनर्जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि पूर्व मेदिनीपुर को सुवेंदु के कुशासन से मुक्त कर दिया जाए। मेदिनीपुर के लोगों के लिए उन्होंने बहुत मेहनत की है, लेकिन गद्दार ने सारा श्रेय ले लिया। उन्होंने दीघा गेट से मेरा नाम हटाकर अपना नाम लिख लिया। इस विधानसभा चुनाव में इस गद्दार को सही जवाब दिया जाना चाहिए, जिसने मेदिनीपुर के लोगों को धोखा दिया है।

मुख्यमंत्री ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पैसे के बल पर उस गद्दार ने गुंडे पाल रखे हैं. उ‍न्‍होंने कहा कि ये गुंडे आप सभी को मतदान वाले दिन परेशान कर सकते हैं. ममता ने कहा कि इन गुंडों से डरने की जरूरत नहीं हैं.

आप सभी बेखौफ होकर टीएमसी को वोट दें. उन्होंने कहा कि समय आ गया है किगद्दार को बाहर का रास्‍ता दिखाया जाए और मिदनापुर से हटाया जाए.

महाराष्ट्र में लेटर बम को लेकर संसद में हंगामा, जावड़ेकर बोले- गृहमंत्री वसूली कर रहे हैं, पूरा देश देख रहा है

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखी गई चिट्ठी का मुद्दा अब संसद तक पहुंच गया है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने राज्यसभा में इस मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि वहीं के गृह मंत्री वसूली कर रहे हैं और ये पूरा देश देख रहा है। जिसके बाद हंगामा इतन बढ़ गया है कि राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बवाल के बाद राज्यसभा के चेयरमैन ने साफ कर दिया कि कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। दूसरी ओर से लोकसभा में भी आज यही मुद्दा गरमाया। बीजेपी के सांसद राकेस सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। राकेश सिंह ने कहा कि ऐसा पहली बार है जब किसी असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर के समर्थन में मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि उसी पुलिस ऑफिसर को सौ करोड़ रुपए वसूलने का टारगेट दिया गया था। वहीं, निर्दलीय सांसद नवनीत राना ने लोकसभा में शिवसेना पर निशाना साधते सचिन वाझे को दोबारा नौकरी पर लाने के फैसले पर सवाल खड़े किए।

दोनों सदनों में बवाल के बाद शिवसेना ने भी अपनी सफाई दी। लोकसभा में शिवसेना के नेता विनायक राउत ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने की कोशिश काफी समय से हो रही है। उन्होंने कहा कि परमबीर सिंह के खिलाफ आरोप लगे हैं जिसकी जांच हो रही है।

क्या है मामला–गौरतलब है कि मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पिछले हफ्ते पत्र लिखकर दावा किया था कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को 100 करोड़ रुपए की मासिक वसूली करने को कहा है।

जापान में 10 साल बाद सुनामी

मियागी में 7.2 तीव्रता के भूकंप के बाद तट से टकराई 1 मीटर ऊंची लहरें, जिस प्रांत में अर्थक्वेक आया वहां न्यूक्लियर प्लांट

टोक्यो। जापान में 10 साल बाद फिर सुनामी ने दस्तक दी है। समुद्री तट से सटे मियागी प्रांत में 7.2 तीव्रता (मैग्नीट्यूड) के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके बाद समुद्र में करीब एक मीटर (3.2 फीट) ऊंची लहरें उठीं।

मियागी में जापान का एक न्यूक्लियर (परमाणु) पावर प्लांट भी है। हालांकि, भूकंप के बाद स्थानीय लोगों ने प्लांट सुरक्षित होने का दावा किया है। भूकंप का केंद्र उत्तर पूर्वी तट के पास 60 किलोमीटर गहराई में बताया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा है। आसपास बने करीब 200 घरों की बिजली गुल है।

ईस्टर्न जापान रेलवे कंपनी ने भूकंप के बाद एक रूट पर बुलेट ट्रेन की सेवा रोक दी है। उन्होंने कहा कि भूकंप के बाद सतर्कता बरतते हुए टोहोकू शिंकानसेन बुलेट ट्रेन लाइन को फिलहाल सस्पेंड कर दिया गया है। इससे पहले जापान में 11 मार्च 2011 को सुनामी आई थी, जिसने काफी तबाही मचाई थी। भूकंप से मियागी के कई इलाकों में नुकसान पहुंचा है। पिछले महीने भी जापान के पूर्वी समुद्री तट पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस समय सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई थी।

भूकंप की वजह से फाइट रुकी

एक यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि भूकंप की वजह से जापान में चल रही फाइट को रोकना पड़ा।

5 मार्च को न्यूजीलैंड में आया था 8.1 तीव्रता का भूकंप

इससे पहले 5 मार्च को न्यूजीलैंड के उत्तरी-पूर्वी तट पर 8.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद इस इलाके में सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था। भूकंप उत्तरी आइसलैंड के पास केरमाडेक द्वीप पर आया। जारी चेतावनी में कहा गया था कि तटवर्ती इलाकों के पास रहने वाले लोगों को तुरंत ऊंचाई वाले मैदानों में चले जाना चाहिए।

समुद्र के भीतर जब तेज हलचल होती है तो इससे बहुत ऊंची लहरें उठने लगती हैं। ये लहरें जबर्दस्त आवेग के साथ आगे बढ़ती हैं। इन्हीं ऊंची लहरों को सुनामी कहते हैं। दरअसल सुनामी जापानी शब्द है जो सू और नामी से मिलकर बना है सू का अर्थ है समुद्र तट और नामी का अर्थ है लहरें।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान के बाद उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी हुईं कोरोना संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी भी कोरोना संक्रमित हो गई हैं। इमरान में संक्रमण की पुष्टि के कुछ घंटे बाद ही बुशरा बीबी के संक्रमित होने की जानकारी सामने आई। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के फैजल जावेद ने बुशरा बीबी के संक्रमित होने की पुष्टि करते हुए पीएम और उनकी पत्नी के जल्द स्वस्थ होने की दुआ की। कोरोना की चीनी वैक्सीन लगवाने के दो दिन बाद ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। स्वास्थ्य मामलों पर पाकिस्तानी पीएम के विशेष सहायक फैजल सुल्तान ने यह जानकारी दी। इमरान ने घर पर ही खुद को क्वारंटाइन कर लिया है। वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से घर से काम करना जारी रखेंगे। इमरान के संक्रमित होने की खबर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इमरान के प्रवक्ता डॉ. शहबाज गिल ने बताया कि पीएम को बुखार और खांसी है। टीकाकरण के बाद पीएम के संक्रमित होने पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने कहा है कि कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के दूसरे या तीसरे हफ्ते एंटीबाडी बनती है। उन्हें दो दिन पहले ही वैक्सीन की पहली डोज दी गई थी और वह संक्रमित हो गए। इसलिए टीके के प्रभाव को लेकर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

उधर, पाकिस्तान सरकार के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि पीएम टीकाकरण से पहले ही कोरोना संक्रमित हो गए थे, लेकिन उनमें लक्षण नहीं दिखाई पड़ रहे थे। देश में कोरोना ऑपरेशन पर बनाए गए मंत्री समूह के प्रमुख असद उमर ने भी कहा है कि टीकाकरण के पहले ही पीएम संक्रमित हो गए थे। इसलिए आम लोगों को सलाह है कि टीकाकरण कराएं। पिछले वर्ष कई पाकिस्तानी सांसद कोरोना संक्रमित हो गए थे। इनमें प्रमुख मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के नेता और सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार मंत्री सैय्यद अमीनुल हक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज़ (पीएमएल-एन) के प्रवक्ता मरयम औरंगजेब, रेल मंत्री शेख राशिद अहमद थे। पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खान अब्बासी भी कोरोना संक्रमित हो गए थे।

बाइडन को बताया हत्यारा तो रूसी राष्ट्रपति ने कहा- आप स्वस्थ्य रहें यही कामना करता हूं

मास्को । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हत्यारा बताए जाने वाले बयान के बाद अब पुतिन ने भी उन्हें जवाब दिया है लेकिन बेहद शालीनता के साथ। उन्होंने कहा है कि वो बाइडन के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ शुक्रवार या फिर सोमवार को बात करेंगे। रूसी अखबार स्पूतनिक की खबर के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन रेडियो पर प्रसारित एक संदेश में अपने समकक्ष बाइडन को बातचीत का न्यौता देते हुए कहा है कि बातचीत का आधार केवल वही होना चाहिए जिन पर हम दोनों साथ चल सकते हों। ये बातचीत बिना किसी समय गंवाए सीधी होनी चाहिए। ये रूस और अमेरिका और दूसरे देशों के लोगों के हित में भी होगा।

उन्होंने कहा है कि 'हम दोनों ही एक दूसरे से भलीभांति परिचित हैं। इसलिए मै अब उनके बयान के बारे में क्या प्रतिक्रिया दूं। मैं बस इतना ही उनसे कहना चाहता हूं कि वो स्वस्थ्य रहें। उन्होंने ये भी कहा कि उनके इस बयान को मजाक में न लिया जाए। वे इस बाबत कोई मजाक नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि इतिहास की तरफ देखें तो पूर्व में काफी मुश्किल हालात रहे हैं। इतिहास बताता है कि दोनों देशों ने खूनी दौर भी देखा है। लेकिन जब हम लोगों की बात करते हैं और दोनों देशों की बात करते हैं और इतिहास के आइनें में झांकते हैं तो हम वहां पर खुद को भी पाते हैं।' पुतिन ने कहा कि अमेरिकी शासन वर्ग का गठन यूरोप द्वारा महाद्वीप पर मिली जीत के साथ हुआ था। लेकिन वो हकीकत में वहां की स्थानीय आबादी के प्रत्यक्ष जनसंहार था। उनके मुताबिक अमेरिका और अमेरिकी नेताओं ने रूस के साथ हमेशा ही अपने हितों को ध्यान में रखते हुए संबंध स्थापित किए हैं। ये संबंध वहीं तक सीमित रहे हैं जहां तक उनका हित जुड़ा रहा है। वो समझते हैं कि हम एक हैं लेकिन हम वास्तव में अलग हैं। हमारे रीति-रिवाज, हमारे तौर तरीके, हमारा जेनेटिक और बहुत कुछ उनसे अलग है। उन्हें हमारे विकास में बाधा डालने के सभी प्रयासों के बावजूद उस के साथ रहना होगा। इसलिए प्रतिबंध हों या फिर अपमान उन्हें हमारे साथ ही मिलकर रहना होगा।

बांग्लादेश में हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड करने वाला मुख्य आरोपित गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के सिलहट में पुलिस ने इस सप्ताह के शुरू में 87 हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया किया। पुलिस जांच ब्यूरो के अधिकारियों द्वारा शाहिदुल इस्लाम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वह स्थानीय बांग्लादेश अवामी जुबो लीग इकाईका अध्यक्ष है।

मौलाना मामूनुल हक की आलोचना के बाद हुआ हमला

उप महानिरीक्षक बानू कुमार मजुमदार ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस शख्स को मौलवीबाजार जिले के कुलौरा से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को यह हमला एक हिंदू युवक द्वारा सोशल मीडिया पर इस्लामिक वकालत करने वाले समूह हेफज़त-ए-इस्लाम बांग्लादेश के संयुक्त महासचिव मौलाना मामूनुल हक की आलोचना करने के एक दिन बाद हुआ था। बानू कुमार ने बताया कि बाद में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया था। दरअसल सुनामगंज के शल्ला उफजिला(में सैकड़ों हेफजत समर्थकों ने घरों पर हमला किया। हमलावरों ने परिवारों से पैसे और सोने के गहने भी लूटे। हालांकि मुख्य आरोपी हिरासत में है वहीं क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने मामूनुल हक की गिरफ्तारी की मांग की है। इससे पहले गुरुवार रात को हमले में शामिल होने के आरोप में 22 स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

वैक्सीनेशन व सावधानी का असर: ब्रिटेन में 12 गुना घटे केस, अमेरिका में 5 गुना

साल के शुरू में अमेरिका में रोजाना नए मरीज 2.45 लाख, ब्रिटेन में 59 हजार

पेरिस। 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' ये लिखा अक्सर आप हर जगह पढ़ते होंगे। अब कोरोना संक्रमण ग्राफ को देखते हुए ये स्लोगन 'सावधानी हटी, वैक्सीनेशन में कमी और महामारी बढ़ी' में बदल गया है। सबसे ज्यादा संक्रमित अमेरिका, ब्रिटेन और इजरायल ने सावधानी और तेज वैक्सीनेशन से संक्रमण को तेजी से नियंत्रित किया है।

दूसरी तरफ, फ्रांस, इटली, जर्मनी, स्पेन जैसे यूरोपियन देशों ने धीमे वैक्सीनेशन और जल्दी छूट देकर कोरोना की तीसरी लहर रोकने का मौका खो दिया है। अब ज्यादातर यूरोपीय देशों को लॉकडाउन लगाना पड़ रहा है। जनवरी की शुरुआत में साप्ताहिक औसत के आधार पर रोजाना अमेरिका में 2.45 लाख और ब्रिटेन में 58 हजार केस आ रहे थे।

अब दो महीने बाद रोजाना नए मरीजों की संख्या ब्रिटेन ने 12 गुना और अमेरिका ने 5 गुना घटा लिए है। ब्रिटेन ने 13 दिसंबर और अमेरिका ने 20 दिसंबर को वैक्सीनेशन शुरू किया था। अब यहां नए मामले तेजी से कम हुए हैं।

इजरायल अपनी 57 फीसदी आबादी को वैक्सीन लगा चुका

दुनिया में वैक्सीनेशन के मामले में इजरायल सबसे आगे है। वह अपनी 57 फीसदी आबादी को टीके का एक डोज या दोनों लगा चुका है। राजधानी तेल अवीव में एक साल बाद नाइट क्लब भी खोल दिए हैं। इजरायल फाइजर और मॉडर्ना वैक्सीन लगा रहा है। फ्रांस में पेरिस सहित 16 क्षेत्रों में 2 करोड़ से ज्यादा लोग लॉकडाउन में रह रहे हैं। पोलैंड ने पूरे देश में लॉकडाउन लगा दिया है। वहां तेजी से संक्रमण बढ़ रहा है। ब्राजील में नए मरीज और रोजाना मौतों के मामले में दुनिया में सबसे ऊपर चल रहा है। ब्राजील में पिछले पांच दिन में लगभग 4 लाख नए मरीज मिले हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शुक्रवार को कोरोना वैक्सीन एस्ट्राजेनेका का पहला शॉट लगवाया। एस्ट्राजेनेका पर उठते सवालों के बीच जॉनसन ने लोगों में वैक्सीन के भ्रम को दूर करने के लिए भी टीका लगवाया।

'वैक्सीन में संक्रमण को रोकने और मौतों को कम करने की जबरदस्त क्षमता है: डब्ल्यूएचओ'।

श्रीलंका में हादसा: ड्राइवर की लापरवाही से कोलंबो जा रही बस गड्ढे में गिरी; 14 लोगों की मौत, 30 से ज्यादा घायल

वाशिगंटन। मध्य श्रीलंका के जिला बदौला में एक यात्री बस गड्ढे में गिर गई, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। दुर्घटना का कारण ड्राइवर की लापरवाही बताई जा रही है। दुर्घटना के समय बस में 70 से अधिक यात्री सवार थे। बस बदौला के लुनुगला से राजधानी कोलंबो की ओर जा रही थी। पुलिस के अनुसार हादसा राजधानी कोलंबो से 240 किमी पहले पासरा शहर के पास हुआ।

चालक की लापरवाही से हुआ हादसा

पुलिस ने बताया- सुबह करीब 7 बजे के आसपास हादसा हुआ है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक की लापरवाही से हादसा हुआ। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दुर्घटना में ड्राइवर बचा है या नहीं। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि एक डंपर ने बस को अचानक सड़क के किनारे की ओर धक्का दिया, जिससे बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

फ्रांसीसी महिला से सामूहिक दुष्कर्म के दोषियों को मौत की सजा, तीन बच्चों के सामने हुई थी वारदात

वाशिगंटन। लाहौर, प्रेट्र। पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आतंकवाद निरोधी अदालत ने दो दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। घटना सितंबर 2020 में लाहौर-सियालकोट मार्ग पर घटी थी। घटना के बाद पूरे देश में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था। लोगों ने दोषियों को खुलेआम फांसी पर लटकाए जाने की मांग की थी। वारदात में पाकिस्तानी मूल की फ्रांसीसी महिला के साथ उसके तीन बच्चों के सामने आबिद मलही और शफाकत बग्गा ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। महिला की कार पेट्रोल खत्म हो जाने के कारण राजमार्ग के किनारे खड़ी थी। उसी समय दोनों दोषियों ने वहां पहुंचकर कार का लॉक तोड़ा और वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद फरार हो गए दोषियों को महीने भर चले अभियान के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके डीएनए सैंपल लेकर वारदात में उनकी संलिप्तता साबित की गई। आतंकवाद निरोधी अदालत के न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्टा ने मलही और बग्गा को मौत की सजा देने के साथ ही उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने डकैती मामले में दोनों को उम्रकैद और कार का ताला तोड़ने के लिए पांच साल के कारावास की सजा भी सुनाई है। दोनों दोषियों की संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। पुलिस के अनुसार वारदात में दोनों दोषियों ने महिला के पास मौजूद एक लाख रुपये से ज्यादा की नकदी और स्वर्ण आभूषण भी लूट लिए थे।

सतर्कता हो तो कोरोना महामारी के दौरान खोले जा सकते हैं स्कूल; मास्क, शारीरिक दूरी और कांटैक्ट ट्रेसिंग हैं कारगर उपाय

वाशिंगटन। कोरोना महामारी के कारण स्कूलों में अभी तक पढ़ाई सामान्य नहीं हो पाई है। इस बात को लेकर खासी चिंता रही कि स्कूलों में बच्चों के आने से उनमें कोरोना संक्रमण के प्रसार का जोखिम ज्यादा होगा। इस अंदेशा में स्कूल बंद कर दिए गए और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन मिसौरी में हुए एक पायलट अध्ययन का निष्कषर्ष राहत पहुंचाने वाला है। इसमें बताया गया है कि यदि स्कूलों में मास्क पहनने को अनिवार्य किए जाने के साथ ही शारीरिक दूरी रखने और बारंबार हाथ धोने जैसे ऐहतियाती उपाय किए जाएं तो वहां संक्रमण फैलने का खतरा बेहद कम होता है। हां, एक बात और कि कांटैक्ट ट्रेसिंग का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। यह अध्ययन महामारी के दौरान प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को सुरक्षित तरीके से खोलने के उपाय तलाशने के मकसद से किया गया।

इस अध्ययन में तो यहां तक कहा गया है कि यदि जरूरी सावधानी बरती जाए तो कोरोना पॉजिटिव के निकट संपर्क में आने पर भी कोई खास जोखिम नहीं होता है। यहां निकट संपर्क का आशय कोरोना संक्रमित व्यक्तियों से छह फीट के दायरे में 24 घंटे में 15 मिनट से ज्यादा समय तक रहना। यह अध्ययन सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी), वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसीन, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी के मिसौरी विभाग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, सेंट लुइस काउंटी स्वास्थ्य विभाग तथा मिसौरी क्षेत्र के सेंट लुइस व स्प्रिंगफिल्ड स्कूल डिस्ट्रिक्ट के सहयोग से किया गया। इसका निष्कर्ष सीडीसी के जर्नल मोर्बिडिटी एंड मॉर्टेलिटी वीकली रिपोर्ट में प्रकाशित हुआ है। यह निष्कषर्ष उम्मीद जगाता है कि छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए ऐहतियाती उपाय कारगर हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक जोहान्न एस. सल्जेर का कहना यह शोध इस मायने में अहम है कि बच्चों को स्कूल भेजने से न सिर्फ उन्हें शैक्षणिक तौर पर समृद्ध करता है बल्कि सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा भावनात्मक स्वस्थ्य की दृष्टि से भी फायदेमंद है। खासकर उन बच्चों के लिए तो और भी जो पोषण, शारीरिक गतिविधियों और मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्कूल पर निर्भर होते हैं।

अध्ययन में शामिल किए गए 57 स्कूल: सेंट लुइस काउंटी तथा दक्षिण-पश्चिम मिसौरी के ग्रीन काउंटी स्थित स्प्रिंगफिल्ड पब्लिक स्कूल डिस्ट्रिक्ट के साथ ही कुल 57 स्कूलों में यह पायलट अध्ययन किया गया। इन सभी स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों, स्टाफ, तथा आंगतुकों के लिए कैंपस और बसों में मास्क को अनिवार्य किया गया। अन्य ऐहतियातों में हाथ की स्वच्छता, सफाई की पुख्ता व्यवस्था, कक्षाओं में शारीरिक दूरी, कोरोना के लक्षणों की दैनिक स्क्रीनिंग, शिक्षकों और छात्रों के बीच फिजिकल बैरियर, वर्चुअल लर्निंग का विकल्प तथा ज्यादा वेंटिलेशन की भी व्यवस्था की गई। उत्साहजनक रहे परिणाम अध्ययन में सहभागी 57 में से 22 स्कूलों के 37 लोग कोरोना पॉजिटिव हुए और 156 लोग उनके करीबी संपर्क में आए। कोरोना पॉजिटिव पाए गए 24 (65 फीसद) छात्र और 13 (35 फीसद) शिक्षक या स्टाफ थे। जबकि करीबी संपर्क में 137 (88 फीसद) छात्र और 19 (12 फीसद) शिक्षक या स्टाफ के सदस्य थे। करीबी संपर्क में आए लोगों में से 102 लोग सलाइवा टेस्ट के लिए तैयार हुए और उनमें से सिर्फ दो में ही स्कूल आधारित सेकंडरी संक्रमण के संकेत मिले। दिसंबर में तेजी से फैले संक्रमण के बावजूद अध्ययन के अन्य सहभागियों में संक्रमण का प्रसार नहीं देखा गया।

एलएसी से सेना की वापसी के बावजूद अरुणाचल से सटी सीमा पर चीन कर रहा सैन्य तंत्र मजबूत

वाशिंगटन। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीकी इलाकों से सेना की वापसी पर चीन के साथ भारत की वार्ता चल रही है। इस बातचीत के परिणामस्वरूप चीन पैंगोंगत्सो लेक के उत्तरी किनारे से पीछे हट गया है। भारत की सेना भी दक्षिणी किनारे से पीछे हटी है। दबाव में पीछे हटी चीन की सेना की मंशा अभी साफ नहीं है। पूर्वी लद्दाख के डेप्सांग समेत कुछ अन्य इलाकों में उसकी सेना अपनी सीमा से आगे काबिज है। एक अन्य इलाके कैलाश रेंज में चीन की सेना की हरकतें जारी हैं। वहां पर उसने सीमा क्षेत्र में नए गांव बसा दिए हैं और लंबी दूरी की मिसाइलें तैनात कर दी हैं। चीन की नीयत पर शंका जताने वाली यह रिपोर्ट अमेरिकी अखबार वाशिंगटन टाइम्स में प्रकाशित हुई है। दोनों सेनाओं के बीच हुए समझौते के तहत पैंगोंगत्सो झील के दोनों

किनारों पर किए गए निर्माण भी हटाए जाएंगे। चीन ने ये निर्माण अप्रैल 2020 के बाद किए थे, जबकि भारत ने जवाब में उसके बाद किए थे। जियानली यांग की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने अरुणाचल प्रदेश में सीमा के पास गांव बसा दिए हैं। इन गांवों की आड़ में सैन्य तंत्र मजबूत किया जा रहा है। दोनों देशों की वार्ता में इन गांवों का भी उल्लेख हो रहा है। लेकिन इन गांवों को हटाने को राजी नहीं है। इसके चलते दोनों देशों के बीच गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी से सेना की वापसी के बावजूद चीन की नीयत को लेकर संदेह की स्थिति है। अरुणाचल प्रदेश के नजदीक सीमा पर गांव बसाने के अतिरिक्त कैलाश पर्वत और मानसरोवर इलाके में चीन ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें तैनात कर रखी हैं। यहीं पर बैलेस्टिक मिसाइल भी तैनात हैं, जो 2,200 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं। ये भारत के लिए स्पष्ट खतरा हैं।

रिपोर्ट के अनुसार चीन भविष्य के लिए रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। वह भारतीय सीमा के पास धीरे-धीरे कदम बढ़ा रहा है और उन्हें मजबूत कर रहा है। इससे भविष्य में भारत के साथ होने वाले टकराव में उसे मजबूती मिल सके।

व्हाइट हाउस ने पांच नशेड़ी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, मारिजुआना को लेकर राष्ट्रपति पशोपेश में

वाशिंगटन। मारिजुआना जैसे मादक पदार्थों का उपयोग करने के चलते व्हाइट हाउस ने अपने पांच कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। मारिजुआना के उपयोग का मुद्दा राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए सिरदर्द बनता जा रहा है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह यह है कि एक तरफ जहां वाशिंगटन डीसी समेत 15 प्रांतों ने मनोरंजन के लिए इसके इस्तेमाल को अनुमति दे रखी है वहीं संघीय सरकार ने इसे निषेध कर रखा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन पाकी ने कहा कि सिर्फ मारिजुआना का इस्तेमाल करने के चलते ही कर्मचारियों को नौकरी से नहीं निकाला गया है बल्कि इसके पीछे और भी कारण रहे हैं। हालांकि उन्होंने दूसरी वजहों की जानकारी नहीं दी। कर्मचारियों को निकाले जाने की सबसे पहले

खबर डेली बीस्ट वेबसाइट ने गुरुवार रात को दी थी।

बाइडन प्रशासन ने की सुरक्षा से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा

बता दें कि दो महीने पुराने बाइडन प्रशासन ने सुरक्षा से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा की है। इतना ही नहीं बाइडन प्रशासन ने मारिजुआना नीति को लचीला भी बनाया है। अब ऐसे लोगों को भी व्हाइट हाउस में बतौर कर्मचारी रखने का रास्ता साफ हो गया है, जो एक वर्ष में 15 बार इसका उपयोग कर चुके हैं। मारिजुआना के उपयोग को लेकर संघीय सरकार भी कुछ हद तक उदार हुई है। कार्मिक प्रबंधन कार्यालय ने एक ज्ञापन जारी करके कहा कि किसी व्यक्ति को केवल इसलिए अयोग्य नहीं ठहराया जाना चाहिए कि उसने पिछले दिनों मारिजुआना का उपयोग किया है।

दिल्ली में पिछले दरवाजे से शासन चलाने की कोशिश है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र संशोधन विधेयक: कांग्रेस

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। कांग्रेस ने 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2021' का विरोध करते हुए सोमवार को लोकसभा में दावा किया कि इस 'असंवैधानिक विधेयक' के माध्यम से केंद्र सरकार, दिल्ली में पिछले दरवाजे से शासन चलाने की कोशिश कर रही है। संसद के निचले सदन में इस विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के मनीष तिवारी ने यह आरोप भी लगाया कि कभी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की वकालत करने वाली भाजपा और केंद्र की उसकी मौजूदा सरकार अब दिल्ली में लोकतांत्रिक व्यवस्था खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''2003 में तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने संविधान में 102वां संशोधन संबंधी विधेयक को पेश किया था। इस संशोधन

का उद्देश्य था कि नई दिल्ली इलाके को छोड़कर शेष दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाए।'' तिवारी ने कहा कि अब भाजपा की सरकार 18 साल बाद यह विधेयक लेकर आई है जो दिल्ली की चुनी हुई सरकार का अधिकार छीनने वाला है। कांग्रेस नेता ने गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी से मुखातिब होते हुए कहा, ''मंत्री जी, कृपया आडवाणी जी द्वारा लाए गए संशोधन विधेयक को पढ़िए।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''यह विधेयक पूरी असंवैधानिक है। यह गलत नीयत से उठाया जा रहा कदम है...यह विधेयक दिल्ली विधानसभा के अधिकार को छीनने वाला है।''

2003 में तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने संविधान में 102वां संशोधन संबंधी विधेयक को पेश किया था। इस संशोधन का उद्देश्य था कि नई दिल्ली इलाके को छोड़कर शेष दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाए।

तिवारी ने कहा कि साल 2018 में उच्चतम न्यायालय ने यह सुनिश्चित किया कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के क्या-क्या अधिकार क्षेत्र हैं...न्यायालय ने केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र के दायरे के बाहर लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। लेकिन अब उससे बाहर निकलने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस विधेयक में आपने (केंद्र) कह दिया कि दिल्ली सरकार का मलतब उप राज्यपाल होगा। ऐसे में आप पिछले दरवाजे से दिल्ली में लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करना चाहते हैं और उप राज्यपाल के माध्यम से सरकार चलाना चाहते हैं।'' उन्होंने विधेयक के कुछ प्रावधानों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा के अधिकार पर हमला किया जा रहा है। तिवारी ने सवाल किया, ''ऐसा कौन सा पहाड़ टूट पड़ा कि एक सदन की संप्रभुता पर आघात कर रहे हैं?

बेटी से ट्यूशन पढ़ने वाली छात्रा से की छेड़छाड़, गिरफ्तार

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। शास्त्री पार्क इलाके में बेटी से ट्यूशन पढ़ने के लिए घर आने वाली आठवीं की छात्रा से आरोपी ने छेड़छाड़ की। पीड़िता की शिकायत पर रविवार को पुलिस ने केस दर्ज कर 38 वर्षीय आरोपी मो. कालिम को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि कालिम पहले भी कई बार पीड़िता से छेड़छाड़ कर चुका था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता 16 वर्षीय किशोरी मां के साथ शास्त्री पार्क इलाके में बुलंद मस्जिद के पास रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है। किशोरी एक स्कूल में आठवीं की छात्रा है। पीड़िता के अनुसार, उसका परिवार पहले गांधी नगर के कैलाश नगर में रहता था। उसकी मां की सहेली शास्त्री पार्क में रहती है। करीब तीन महीने पहले वह अपनी मां के साथ उनकी सहेली के घर गई थी, जहां बातचीत के दौरान उनकी बेटी उसे ट्यूशन पढ़ाने के लिए राजी हो गई। इसके बाद पीड़िता का परिवार भी शास्त्री पार्क इलाके में आकर रहने लगा। किशोरी रोज मां की सहेली की बेटी से ट्यूशन पढ़ने जाने लगी। आरोप है कि मां की सहेली का पति मो. कालिम मौका मिलते ही उससे छेड़छाड़ करता था। कई बार जब किशोरी की मां काम पर चली जाती थी तो आरोपी पीड़िता के कमरे में आकर उससे छेड़छाड़ करता था। साथ ही किसी को कुछ बताने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देता था और उधार लिए हुए 40 हजार रुपये देने से मना करता था। आरोपी की हरकतों से तंग आकर छात्रा ने उसकी शिकायत करने की ठानी। पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर आरोपी का वीडियो बना लिया और फिर उसे पुलिस को सौंप दिया। पीड़िता की शिकायत पर रविवार को पुलिस ने उसकी मेडिकल जांच और काउंसलिग कराई। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली सरकार ने शराब पीने की उम्र 25 से घटाकर 21 की, नई आबकारी नीति से कई बड़े बदलाव

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने नई आबकारी नीति का ऐलान किया है। इसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में शराब पीने की कानूनी उम्र 25 से घटाकर 21 कर दी गई है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने कहा है कि अब दिल्ली में शराब की कोई सरकारी दुकान नहीं होगी। इसके अलावा शराब की कोई नई दुकान भी राष्ट्रीय राजधानी में नहीं खुलेगी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को ये घोषणाएं कीं। नई नीति में प्रमुख बदलाव शराब पीने वालों की उम्र को लेकर किया गया है। पहले दिल्ली में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल थी। इसे घटाकर 21 साल कर दिया गया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नई आबकारी नीति के बारे में बताते हुए कहा कि सरकारी शराब की दुकानें अब बंद होंगी। निविदा के जरिए निजी लोगों को शराब की दुकानें दी जाएंगी। शराब की दुकान के लिए 500 वर्गमीटर की जगह होना अनिवार्य होगा। सरकार को नई नीति से 2 हजार करोड़ सालाना राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली में 850 शराब की दुकानें है। अब नई दुकानें नहीं खोली जाएंगी। पुरानी दुकानों का ही डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम ठीक किया जाएगा। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में शराब का समान वितरण होगा, लेकिन कोई नई दुकान नहीं खुलेगी। दिल्ली में सरकारी शराब की एक भी दुकान नहीं होगी। दिल्ली में शराब की क्वालिटी चेक करने के लिए सरकार क्वालिटी चेक का अपना एक इंटरनेशनल सिस्टम बनाएगी।

मुदित नें शुरू किया मजनू टीला पर हस्ताक्षर अभियान

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल के नेतृत्व में मजनू का टीला पुनर्वास कॉलोनी और पुराने चंद्रावल गांव को मालिकाना हक दिलाने को लेकर। हस्ताक्षर अभियान की शुरवात की गई। पिछले दिनों इसी विषय पर मुदित द्वारा एक विशाल धरने का भी आयोजन किया गया था, जिसमे अनेकों स्थानीय निवासियों ने हिस्सा लिया था और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी पत्र लिख कर मालिकाना हक की मांग की थी मुदित अग्रवाल ने, आज उस ही क्रम में उनके नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान की शुरुवात की गई है, इस अभियान के तहत हर एक निवासी के घर तक पहुंच कर उसके हस्ताक्षर लेने का प्रयास किया जाएगा। मुदित अग्रवाल नें कहा अरविन्द केजरीवाल की कथनी और करनी में बड़ा फर्क है, हस्ताक्षर अभियान आन्दोलन की कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, आन्दोलन में निवासियों की भागेदारी से ही सरकार झुकेगी और हमें सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा बात-बात पर धरना देने वाले अरविन्द केजरीवाल लोगो की समस्या को जानते हुए भी अनजान बने हुए हैं।

एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर होगी यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते केस के बीच अब एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की कोविड 19 की रैंडम जांच होगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सोमवार को एक बैठक में यह निर्णय लिया है। सतर्कता और बढ़ाई जाएगी, जो लोग मास्क और समाजिक दूरी का पालन नहीं करेंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं राजधानी में होली समारोह पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। हालांकि, दिल्ली सरकार द्वारा एक गाइडलाइन जारी करने की संभावना है। आपको बता दें कि रविवार को 823 नए मामलों के बाद राजधानी में सक्रिय मरीजों की संख्या भी बढ़कर 3618 हो गई है। रविवार को 613 मरीजों को छुट्टी दी गई जबकि चार मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना के ?कुल मरीज 647984 हो गए हैं। इनमें से 6, 33, 410 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। वहीं10956 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.69 फीसदी हो गयी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 3600 से अधिक सक्रिय मरीजों में से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 892 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 10 और होम आइसोलेशन में 1893 मरीज भर्ती हैं। विभाग के अनुसार ?वंदेभारत मिशन के तहत आए चार मरीज भी आइसोलेशन में हैं।

यौन संबंध के लिए दबाव बनाने पर युवक ने दोस्त को मार डाला

-त्रिलोकपुरी की घटना, पुलिस ने 22 साल के आरोपी को गिरफ्तार किया

-तीन साल पहले फेसबुक पर हुई थी युवकों की दोस्ती

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी में सोमवार तड़के यौन संबंध के लिए दबाव बनाने पर युवक ने अपने दोस्त की पत्थर से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मयूर विहार थाने में समर्पण करने के लिए जा रहा था तभी रास्ते में रास्ते में कपड़े पर लगे खून को देखकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस आरोपी 22 वर्षीय मोनू से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। 32 वर्षीय भरत परिवार के साथ त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-11 में रहता था। परिवार में माता-पिता, तीन भाई और एक बहन है। भरत एक ऑनलाइन कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय था। वहीं, आरोपी मोनू त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-32 में रहता है। मोनू और भरत दोस्त थे। उनकी मुलाकात तीन वर्ष पहले फेसबुक पर हुई थी। मृतक भरत के परिजनों ने बताया कि मोनू रविवार शाम को उनके घर आया था और भरत को अपने साथ ले गया था। दोनों ने एक पार्टी में जाने की बात कही थी। आरोप है कि पार्टी से निकलने के बाद मोनू ने भरत को शराब पिलाई और पूरी रात अपने साथ घुमाता रहा। सोमवार तड़के करीब चार बजे मोनू ने त्रिलोकपुरी के ब्लॉक नंबर-17 में वसुंधरा एन्क्लेव रोड के किनारे पत्थर से पीट-पीटकर भरत की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी

मोनू पैदल ही मयूर विहार थाने में समर्पण करने के लिए जाने लगा। तभी रास्ते में गश्त कर रहे पुलिसकर्मी मिले। पुलिसकर्मियों ने उसके कपड़े पर लगे खून को देखकर उससे पूछताछ की तो उसने अपने दोस्त की हत्या करने की बात कही। पुलिस उसे तुरंत लेकर घटना स्थल पर पहुंची और भरत का शव बरामद किया। आरोपी मोनू ने पुलिस को बताया कि भरत और उसके बीच यौन संबंध थे। लेकिन, भरत अब यौन संबंध के लिए लगातार उस पर दबाव बनाने लगा था। साथ ही उसे धमकी भी देता था। इससे मोनू की शादीशुदा जिंदगी खतरे में आ गई थी। मोनू ने भरत से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या की योजना बनाई और सोमवार तड़के वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस के अनुसार, मोनू और भरत की तीन साल पहले फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। दोनों त्रिलोकपुरी के रहने वाले थे तो एक-दूसरे से मिलने-जुलने लगे। कुछ समय बाद दोनों ने यौन संबंध बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि मोनू की यौन संबंध में कम रुचि थी, जबकि भरत लगातार संबंध के लिए उस पर दबाव बना रहा था।

परिजनों ने कहा, आरोपी ने उधार लिए थे रुपये

भरत के परिजनों के अनुसार, आरोपी मोनू ने दो साल पहले भरत से सवा लाख रुपये उधार लिए थे। इन रुपयों से आरोपी ने बाइक खरीदी थी। भरत अब मोनू से रुपयों की मांग कर रहा था। इसके चलते मोनू उससे खफा था। वहीं पुलिस के अनुसार, रुपयों के लेन-देन को लेकर जांच की जा रही है।

मदद मांगने के बहाने रोककर झपटमारी करने वाली महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। मदद मांगने के बहाने लोगों को रोककर उनसे झपटमारी करने वाली एक महिला झपटमार को द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला पूजा के पास से सोने की चेन बरामद हुई है। फिलहाल, पुलिस महिला के अन्य साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि 16 मार्च को एक शख्स ने पुलिस को शिकायत दी कि गोयला डेयरी इलाके में लाल बत्ती के पास एक महिला ने उसे रोका। महिला उनसे मदद मांगने लगी। वह बात कर ही रहे थे कि महिला उनके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली को बनाएंगे झीलों का शहर: केजरीवाल

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'जल दिवस' के अवसर पर दिल्लीवासियों को पानी के महत्व के प्रति जागरूक किया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के द्वारका में बनाई गई एक झील की फोटो को ट्वीट करते हुए लिखा कि 'दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हम झीलें विकसित कर रहे हैं, इसी कड़ी में द्वारका में सात एकड़ में फैली यह नई झील महज सात महीने में तैयार की गई है। पानी की बचत, संचयन एवं बेहतर मैनेजमेंट आज के वक्त की जरूरत है, खुद भी जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें।' दिल्ली सरकार का कहना है कि हम लगातार उन झीलों और जलीय भूखंडों को जीवित करने में लगे हैं जो मात्र कूड़ा घर बनकर रह गये थे। सरकार ने ऐसे छह सौ से अधिक स्थानों को चिन्हित करके रखा है जहां कभी पानी एकत्र होता था। केजरीवाल सरकार दिल्ली को झीलों का शहर बनाने में जुटी है।

दिल्ली सरकार का कहना है कि हम लगातार उन झीलों और जलीय भूखंडों को जीवित करने में लगे हैं जो मात्र कूड़ा घर बनकर रह गये थे। सरकार ने ऐसे छह सौ से अधिक स्थानों को चिन्हित करके रखा है जहां कभी पानी एकत्र होता था।

दिल्ली में पानी को लेकर गर्मी में हर साल महामारी की स्थिति देखने को मिलती है। दिल्ली के कुछ हिस्सों को पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। अभी हाल ही में पंजाब द्वारा भाखड़ा बांध से आने वाली नहरों को बंद कर देने से दिल्ली में जल संकट की स्थिति आने वाले थी। ऐसे में अगर पानी को लेकर इस तरह के कदम बढ़ाए जाएंगे तो भविष्य में जल की बड़ी समस्या से कुछ राहत जरूर मिलेगी। उल्लेखनीय है कि साल 1992 में ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में पर्यावरण और विकास मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से एक सम्मेलन आयोजित किया गया था और उसी दौरान विश्व जल दिवस मनाने की पहल की गई थी। इसके बाद साल 1993 में पहली बार विश्व जल दिवस मनाया गया था, जिसके बाद से हर साल 22 मार्च को यह दिवस मनाया जाता है।

बिसलरी के साथ मिलकर बॉटल्स फॉर चेंज कार्यक्रम चला रही है ईडीएमसी

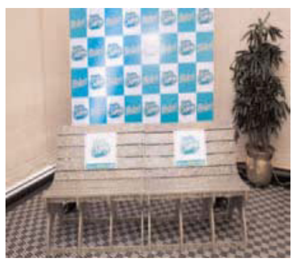

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। स्वच्छ सर्वेक्षण के मद्देजनर पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा बिसलरी के साथ मिलकर बॉटल फॉर चेंज नाम से एक कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के उपयोगी उत्पाद बनाये जा रहे है। इसके अन्तर्गत लोगों के बैठने के लिए बैंच बनायी गई है जो लोगों के बीच काफी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। स्वच्छ सर्वेक्षण के नोडल अधिकारी गगन खन्ना ने बताया कि यह एक बहुत सराहनीय पहल है जिसमें प्लास्टिक को रि-सायकल करके जनहित के लिए उपयोगी उत्पाद बनाये जा रहे है। उन्होंने बताया प्लास्टिक रि-सायकल के द्वारा बनायी गई बेंच बहुत टिकाऊ, आरामदायक और आकर्षक है। गगन खन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि बॉटल फॉर चेंज कार्यक्रम में लोगों को प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में न केवल जागरूक किया जा रहा है बल्कि प्लास्टिक के स्रोत पर ही पृथकीकरण और उनके रि-साइकल के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। उन्होने जानकारी दी कि क्षेत्र में जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि प्लास्टिक को व्यर्थ जानकर उसे कचरे में ना फेंके बल्कि प्लास्टिक का प्रयोग करने के बाद उसे साफ करके इकट्ठा करें और फिर उसे रि-साइकल के लिए भेजे जिससे उपयोगी उत्पादों का निर्माण किया जा सके और पर्यावरण को प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि प्लास्टिक को कचरा ना माने और उसे इकट्ठा करके रि-साइकल के लिए भेजें।

लैंड पूलिंग के नाम पर 25 करोड़ की ठगी, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने डीडीए की लैंड पूलिंग योजना के नाम पर ठगी करने वाले कंपनी के दो निदेशकों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान अशोक अत्री और प्रभा शंकर सिंह के रूप में हुई है। दोनों आरोपित दिल्ली इंफ्राटेक लिमिटेड के निदेशक हैं। पुलिस की मानें तो आरोपितों ने द्वारका में दिल्ली गेट प्रोजेक्ट के तहत फ्लैट देने का झांसा देकर करीब 400 लोगों से 25 करोड़ रुपये की ठगी की थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपितों पर पहले से भी मामले दर्ज है। आर्थिक अपराध शाखा के एडिशनल डीसीपी रमेश ने सोमवार को बताया कि डीडीए ने लैंड पूलिंग योजना के तहत आवासीय क्षेत्र विकसित करने की घोषणा की गई थी। इसके लिए डीडीए द्वारा सोसायटी और बिल्डर्स को लाइसेंस दिया जाना था, लेकिन इस काम के लिए किसी भी डेवलपर व कंपनी इत्यादि को डीडीए ने अधिकृत नहीं किया है। इसके बाद भी आरोपितों ने लोगों को फ्लैट देने के नाम पर ठगना शुरू कर दिया। जिसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दिल्ली इंफ्राटेक लिमिटेड के निदेशकों ने लोगों से द्वारका में फ्लैट देने के नाम पर लाखों रुपये की ठग की। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब उन्हें फ्लैट नहीं मिले तो उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। मामला सही पाए जाने के बाद दर्ज हुआ मामला लोगों द्वारा की गई शिकायत के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच की। जांच के दौरान मामला सही पाए जाने के बाद पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि दिल्ली इंफ्राटेक लिमिटेड के निदेशकों ने लोगों को फर्जी योजना के तहत फ्लैट देने का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपये की ठगी की है। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपी प्रभा शंकर सिंह और अशोक अत्री को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एफआरएल के रिलायंस सौदे पर लगी रोक वाले फैसले को स्थगित किया

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एकल न्यायाधीश के उस फैसले को स्थगित कर दिया जिसमें फ्यूचर रिटेल समूह को रिलायंस रिटेल के साथ हुए 24, 713 करोड़ रूपये के सौदे पर आगे बढ़ने से रोक दिया गया था। एकलपीठ के फैसले को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष चुनौती दी गई थी जिस पर सुनवाई करते हुए इसे स्थगित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल एवं न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की खंडपीठ ने रिलायंस के साथ कारोबार बेचने के समझौते पर एकल न्यायाधीश के 18 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली फ्यूचर समूह की याचिका पर अमेरिका आधारित ई-कामर्स कंपनी अमेजॉन को नोटिस भी जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने इस मामले पर आगे सुनवाई के लिए अगली तारीख 30 अप्रैल सुनिश्चित की है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के फ्यूचर समूह के सीईओ किशोर बियानी, अन्य की संपत्तियों की कुर्की और उन्हें 28 अप्रैल को हाईकोर्ट में पेश होने के आदेश को भी स्थगित कर दिया है। हाईकोर्ट की एकल न्यायधीश का निर्णय अमेजॉन की याचिका पर दिया गया था जिसमें उसने सिंगापुर पंचाट के 25 अक्टूबर 2020 के आदेश को अमल में लाने का आदेश दिए जाने और फ्यूचर समूह को रिलायंस के साथ 24, 713 करोड़ के सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने का आग्रह किया था। एकलपीठ ने अमेजॉन की इस याचिका को स्वीकार करते हुए एफआरएल एवं रिलायंस के सौद पर रोक लगा दी थी। साथ ही एफआरएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पेश होने के आदेश भी दिए थे।

पड़ोस युवा संसद के प्रति युवाओं को किया गया जागरूक

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। यमुना विहार में नेहरू युवा केन्द्र, उत्तर पूर्वी दिल्ली द्वारा पड़ोस युवा संसद व कैच द रेन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय महावर विधायक घोंडा, जिला अध्यक्ष उत्तर पूर्व मोहन गोयल, मुख्य वक्ता एवं राज्य प्रशिक्षक मोहित कुमार भारतीय, जिला उपाध्यक्ष दिनेश धामा, ठाकुर बृजेश सिंह, पूनम चैहान, एसबीआई शाखा प्रबंधक अभिषेक अग्रवाल, सम्भोले वर्मा पूर्व एनएसएस अधिकारी, सुफिया खानम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस के बब्बर जिला युवा अधिकारी द्वारा की गयी। वही कार्यक्रम का संचालन मोहित द्वारा किया गया। एस के बब्बर ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पड़ोस युवा संसद में जहां एक ओर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इस संसद में युवाओं की आवाज को सुनने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है वहीं कैच द रेन के माध्यम से जल संचयन के प्रति जागरूक भी किया गया साथ ही स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल की विभिन्न योजनाओं आदि पर युवाओं में जागरूकता पैदा करने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। मोहित कुमार

भारतीय ने युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने के साथ विस्तार से संसद की कार्यवाही की जानकारी देकर संसद आयोजित करवाई जिसमें युवाओं ने पक्ष व विपक्ष की भूमिका निभाते हुए अपनी अपनी बात रखते हुए संसद चलाई साथ स्मृति क्रिएटिव आर्ट एंड कल्चर सोशल समिति के सदस्यों द्वारा कैच द रेन पे नुक्कड़ नाटक पेश किया जिसमें बारिश के पानी के संचयन करने व जल ही जीवन के प्रति युवाओं व क्लब के अध्यक्षों को जागरूक किया गया साथ ही कैच द रेन के विजेताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजन में आरजू सक्सेना, मनीष, केसरी, काजल व सत्यम विकास, के साथ सौरभ तारावती, पूजा, नेहा, शाईना, शबनम, आदि का सहयोग रहा। वही नुक्कड़ नाटक पेश करने वाले कलाकार नेहा शर्मा, दीया, वर्षा, कामिनी, लवली, उत्तम कुमार, रोजी रहे।

पूर्वी दिल्ली में व्यक्ति ने दोस्त की हत्या की

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में 22 वर्षीय युवक ने यौन संबंध की मांग करने पर अपने दोस्त की कथित रूप से हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी की पहचान मोनू के तौर पर हुई है। पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) दीपक यादव ने कहा, 'सोमवार को, मोनू ने त्रिलोकपुरी निवासी भरत (32) की हत्या कर दी जो उसका दोस्त था। उसने पीड़ित का सिर भारी पत्थर से कुचल दिया।' उन्होंने बताया कि भरत की हत्या करने के बाद आरोपी मामले की रिपोर्ट करने के लिए थाने जा रहा था लेकिन रास्ते में पुलिस के आपात प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) टीम ने उसे रोक लिया।

संपादकीय

उन्हें निजीकरण से डर लगता है

देश के बैंकिंग सेक्टर में इन दिनों खासा उथल-पुथल है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के बैनर तले सोमवार और मंगलवार को नौ सरकारी बैंकों के कर्मचारियों ने हड़ताल की, और चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन पर उतरने को बाध्य होंगे। इस हड़ताल की वजह केंद्र सरकार का वह एलान है, जिसमें उसने कहा था कि आईडीबीआई सहित वह दो अन्य सरकारी बैंकों का निजीकरण करने जा रही है। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भरोसा दिया है कि ऐसा किए जाने के बावजूद बैंककर्मियों के हितों को अनदेखा नहीं किया जाएगा। मगर अतीत की घटनाएं बैंक कर्मचारियों को कहीं अधिक परेशान कर रही हैं। अपने देश में सबसे पहले भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण 1949 में हुआ था, जिसके बाद 1955 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का हुआ। फिर जुलाई, 1969 में 14 अन्य बैंकों और 1980 में छह बैंकों को सरकार ने अपने अधीन ले लिया। लेकिन 1990 के दशक में 'वाशिंगटन कन्सेंन्सस' के तहत केंद्र सरकार निजीकरण की तरफ बढ़ने लगी, जिसका लब्बोलुआब यह है कि बाजार को आगे बढ़ाया जाए और अर्थव्यवस्था में सरकार का दखल कम से कम हो। इससे निजी क्षेत्र को बढ़ावा मिलने लगा और सरकारी क्षेत्र पिछड़ता गया। हालांकि, इस 'कन्सेन्सस' को अपनाने के बाद संसार भर में असमानताएं बढ़ी हैं। सन 2005 के आसपास जाने-माने अर्थशास्त्री पॉल क्रुगमैन ने अपने एक लेख में 2001 के आंकड़ों के हवाले से बताया था कि अमेरिका में जितनी गैर-बराबरी 1920 के दशक में थी, उससे कहीं ज्यादा 2000 के दशक में दिखने लगी है। बैंकों के निजीकरण से भी कुछ ऐसे ही खतरे हैं। यह सही है कि अभी सरकार के पास संसाधनों का अभाव है, इसलिए राजस्व जुटाने के लिए उसने निजीकरण का सहारा लिया है। मगर इससे देश की आर्थिक तस्वीर कहीं ज्यादा स्याह हो सकती है। भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जहां गरीबी पसरी हुई है। यहां की करीब 90 फीसदी आबादी गरीब है (गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले तो अति-गरीब हैं)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ही इन सबकी सुध लेते हैं। इसी कारण गांवों और कस्बों तक में सरकारी बैंकों की शाखाएं दिख जाती हैं। चूंकि निजी बैंक सामाजिक जवाबदेही से कन्नी काटते हैं, इसलिए वे वहीं अपनी शाखा खोलते हैं, जहां पर उनको फायदा नजर आता है। लॉकडाउन में भी लोगों की जितनी सेवा सरकारी बैंकों ने की, उतनी निजी बैंकों ने नहीं। चूंकि छोटे-छोटे अकाउंट को चलाने में खर्च ज्यादा है, इसलिए जन-धन खाते भी सरकारी बैंकों में ज्यादा खोले गए। नकदी का लेन-देन भी सरकारी बैंकों ने तुलनात्मक रूप से ज्यादा किया। यह सब इसलिए संभव हो सका, क्योंकि सरकारी बैंकों का मकसद लोगों की सेवा करना है, न कि नफे-नुकसान के आधार पर अपनी सेवाएं देना। अगर बैंकों को निजी हाथों में सौंप दिया जाएगा, तो संभव है, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या विश्वविद्यालय जैसे बड़े-बड़े संस्थानों के वित्तीय लेन-देन में तो वे रुचि लेंगे, लेकिन गरीबों के छोटे-छोटे अकाउंट पर शायद ही उनकी नजर जाए। इससे उन सरकारी योजनाओं के भी बेअसर होने का खतरा होगा, जिनको फिलहाल सरकारी बैंकों के जरिए लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा, 1969 से पहले निजी बैंक अपनी ही कंपनियों को ज्यादा कर्ज बांटते थे। अब यह खतरा फिर से बढ़ सकता है। इससे अन्य वित्तीय कामों को नुकसान पहुंच सकता है। निजीकरण के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि सरकारी बैंकों पर एनपीए (डूबत कर्ज) काफी ज्यादा है। मगर इसकी एक वजह उन पर कई तरह की सामाजिक जिम्मेदारियों का होना भी है। लिहाजा, सरकार यदि इन जवाबदेहियों के बदले बैंकों को कुछ सब्सिडी दे, तो संभव है कि उनके एनपीए में कमी आ जाए। बैंक कर्मचारियों का डर है कि निजी होते ही बैंकों से छंटनी शुरू हो जाएगी, क्योंकि निजी बैंकों को सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े कर्मियों की शायद ही दरकार होगी। उनका यह डर वाजिब है, क्योंकि बैंकों के विलय के बाद भी कुछ कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया ही गया है। दुनिया भर में जहां-जहां विलय या निजीकरण हुए हैं, वहां रोजगार कम हुए हैं। यही कारण है कि सरकार पर निजीकरण के बहाने छंटनी की जमीन तैयार करने का आरोप बैंककर्मी लगा रहे हैं। यहां 'क्रोनी कैपिटलिज्म' भी एक बड़ा मसला है, जो बैंकिंग व्यवस्था में कहीं गहरे तक प्रभावी है। असल में, यह ऐसी अनधिकृत व्यवस्था है, जिसमें उद्योगपतियों के हित में सरकारी प्रशासन काम करता है। इसी कारण यहां बैंकों में राजनीतिक दखल अधिक है और वे उद्योगपतियों के लिए काम करते दिखते हैं। सरकारी बैंकों के एनपीए बढ़ने का एक बड़ा कारण यही है। इससे उनका लाभ कम हो जाता है। लिहाजा, इन बैंकों को सरकार सस्ते दाम पर अपने करीबी 'क्रोनी' को दे सकती है। अभी निजीकरण का सही वक्त है भी नहीं। महामारी के कारण हमारी अर्थव्यवस्था पहले ही सुस्त है, जिसके कारण बाजार में बैंकों का सही मूल्य नहीं मिल सकेगा और नुकसान अंततः सरकारी खजाने को होगा। इन सबके बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक नए 'विकास वित्त संस्थान' के गठन को मंजूरी दी है, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर की बड़ी परियोजनाओं को दीर्घकालिक कर्ज देने का काम करेगा। सरकार का यह फैसला भी बहुत दूर तक जाता नहीं दिखता। बड़ी परियोजनाओं को बेशक लंबे समय तक फाइनेंस की जरूरत होती है और सामान्य बैंकों को जमाकर्ताओं से कम समय के लिए पैसे मिलते हैं। लेकिन पूर्व में आईसीआईसीआई, आईएफसीआई, आईडीबीआई जैसे बैंक दीर्घावधि के लिए फंड मुहैया कराते थे, तो वह बिना सरकारी मदद से संभव नहीं होता था। फिर, इन्फ्रास्ट्रक्चर में हमने उन परियोजनाओं को ज्यादा महत्व दिया है, जिनकी लागत काफी ज्यादा है। मसलन, यातायात में ही रेल के बजाय सड़कों पर ज्यादा ध्यान दिया गया और लंबे-लंबे हाईवे बनाए गए। पर आर्थिक तंगी की वजह से लोग सड़क के बजाय ट्रेन से ही लंबी दूरी तय करना पसंद करते हैं। नतीजतन, 'हाई कॉस्ट' परियोजनाएं घाटे में चल रही हैं और उनमें निवेश करने वाले बैंकों का एनपीए बढ़ रहा है। यह समस्या 'विकास वित्त संस्थान' के सामने भी आएगी ही।

प्रवीण कुमार सिंह

निजी क्षेत्र में स्थानीय निवासियों को आरक्षण, नए कानून का राजनीतिक प्रभाव

> यह भी संभव हो सकता है कि यह कानून उसके लिए गले की हड्डी बन जाए। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि बिहार में राजद बीते विधानसभा चुनाव में रोजगार के मुद्दे को भुनाने में काफी हद तक सफल होता दिखा और पहले से कहीं ज्यादा मजबूत बन कर उभरा। वह भी हरियाणा सरकार के इस निर्णय पर आक्रामक हो सकता है। यह भी सही है कि बिहार में भाजपा की सहयोगी जदयू, जो खुद भी काफी हद तक क्षेत्रीय पार्टी है, इस मुद्दे पर भाजपा के साथ नहीं खड़ी होगी। अगले साल ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे, वहां भी भाजपा का सामना क्षेत्रीय दलों के साथ ही है। ऐसे में वहां भी यह कानून एक मुद्दा बन सकता है।

निजी क्षेत्र की नौकरियों में हरियाणा में लागू किए गए कानून में मोटे तौर पर चार प्रमुख प्रविधान हैं। पहला, यह कानून 50 हजार रुपये मासिक वेतन तक की नौकरियों पर लागू होता है। दूसरा, इसके दायरे में राज्य में चल रही वे कंपनियां, सोसायटी, ट्रस्ट और फर्म आएंगे जिनमें 10 से ज्यादा कर्मचारी हैं। तीसरा, तात्कालिक तौर पर यह कानून 10 वर्षों के लिए लागू होगा। चौथा, किसी पद के लिए कार्यकुशल कर्मचारी नहीं मिलने पर आरक्षण कानून में छूट दी जा सकती है, मगर इस बारे में निर्णय नियोक्ता कंपनी का नहीं, बल्कि जिला उपायुक्त या उससे उच्च स्तर के अधिकारी का होगा। इस कानून पर सबसे तीखा विरोध स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों ही स्तर के अधिकांश औद्योगिक संगठनों ने किया है। इन संगठनों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि कोई उद्योग स्थानीय मजदूरों को नहीं रखना चाहता, बल्कि जब स्थानीय स्तर पर उसे कुशल कामगार उपलब्ध नहीं होते हैं, तभी बाहरी मजदूरों के लिए जगह बनती है। ऐसे में इस कानून के कारण उनको मजदूर मिलने में समस्या हो सकती है। कामगारों के कौशल का निर्धारण किसी भी उद्योग का अपना मामला है, ऐसे में अब यह मामला सरकारी हो जाएगा और जहां तक कुशल हरियाणवी कामगार नहीं मिलने पर छूट की बात है तो इस निर्णय में लंबा समय लग सकता है जो किसी भी दशा में उद्योग के हित में नहीं होगा। हरियाणा के पास भले ही प्राकृतिक संसाधन कम हैं, किंतु दिल्ली से सटे होने के कारण राजनेताओं का हमेशा ध्यान इस राज्य के औद्योगीकरण पर रहा और उसका प्रभाव है कि आज यह देश का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक राज्य है। उदाहरण के तौर पर उत्तर भारत का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग केंद्र हरियाणा में है। आज ऑटोमोबाइल कंपनियों ने 400

अरब से ज्यादा रुपये हरियाणा में निवेश कर रखा है। यह क्षेत्र लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार देता है और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। इस पूरे प्रकरण के पीछे शायद एक वजह यह मानी जा रही है कि राजनीतिक कारणों से मानेसर में मारुति की फैक्ट्री लगी और उसके बाद वाहनों के कल-पुर्जे बनाने वाले कारखाने शुरू किए गए। दूसरा बड़ा उदाहरण गुरुग्राम का है, जो राजधानी दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के काफी नजदीक है और इस कारण तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने मुख्यालय के गुरुग्राम में ही बनाने का निर्णय लिया। इन मुख्यालयों में तमाम तरह के काम होते हैं, जिसमें अलग-अलग वेतन स्तर पर देशभर के कामगार काम करते हैं। इस कानून के लागू होने से इनमें से कई कंपनियों को अपने कर्मचारियों की नियुक्ति में परेशानी आ सकती है। संबंधित विशेषज्ञों द्वारा इस संबंध में आशंका जताई जा रही है कि इन कारणों से वे राज्य से बाहर भी जा सकते हैं।

श्रम अर्थशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में यदि इस कानून को देखें तो इसके दायरे में राज्य में चल रही वे कंपनियां, सोसायटी, ट्रस्ट और फर्म ही आएंगे जिनमें 10 से ज्यादा कर्मचारी हैं। नतीजन कई उद्योग इस कानून से बचने के लिए अपने यहां कर्मचारियों की संख्या 10 से कम रखने का प्रयास कर सकते हैं और मानवश्रम के बजाय मशीनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि को बढ़ावा दे सकते हैं। ध्यान रहे कि 10 से कम कामगार वाले उद्योग अधिकांश श्रम कानूनों के दायरे में नहीं आते हैं यानी उनमें रोजगार का स्तर सही रहेगा, यह कहना मुश्किल है। एक अन्य तथ्य जो लगभग तय है कि नए उद्योग हरियाणा का रुख करने में हिचकेंगे, लिहाजा हर प्रकार के रोजगार के अवसरों में तो कमी आएगी ही, इससे राज्य का समग्र आर्थिक विकास भी प्रभावित हो सकता है। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भले ही इसे युवाओं के लिए हितकर बता रहे हों, लेकिन अर्थशास्त्र के हिसाब से हरियाणा को आर्थिक विकास और राज्य के कामगारों को रोजगार तथा रोजगार के स्तर दोनों मामले में फायदा से ज्यादा नुकसान होता दिख रहा है। श्रमिकों का मुक्त रूप से कहीं भी रोजगार करने और उद्योगों का उनके चयन में पूर्ण स्वतंत्रता, उद्योगों की कुशलता और लाभ प्राप्ति के साथ साथ देश के आर्थिक विकास के लिए भी जरूरी है। ऐसा होने से उद्योगों को राष्ट्र के संपूर्ण श्रमबल का सही लाभ मिलता है और वह इस कारण न केवल देश के उपभोक्ताओं के लिए सही उत्पाद बना सकते हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में किए जा रहे निवेश का समुचित लाभ लेकर वैश्विक स्तर पर भी ज्यादा सफल हो सकते हैं। यह भी एक विडंबना है कि ये परिवर्तन तब लाए जा रहे हैं जब एक ओर पूरे देश में इज ऑफ डूईंग बिजनेस को लेकर तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य देशों में भारतीय कामगारों के लिए रोजगार के अवसर किस तरह सृजित हो सकते हैं, इस दिशा में भी भारत सरकार प्रयासरत है। ऐसे में, इस कानून के बारे में हमें समग्रता से विचार करना चाहिए।

बाहरी बनाम धरतीपुत्र – क्षेत्रीय दलों द्वारा राज्य में अपनी राजनीति चमकाने के लिए बाहरी बनाम धरतीपुत्रों का मुद्दा उठाना कोई नया नहीं है। सरकारी नौकरियों और निजी क्षेत्रों की नौकरियों में स्थानीय उम्मीदवारों को वरीयता मिले इस पर कई राज्यों में आंदोलन होते रहे हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र में शिवसेना और उसके बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ऐसे मुद्दों को उठाती रही है। हरियाणा का पूरा मामला भी रोजगार के मुद्दे पर चल रही उसी नकारात्मक क्षेत्रवादी राजनीति का एक उदाहरण है जिसके प्रभाव में हाल के वर्षों में वृद्धि हुई है। झारखंड समेत अन्य कई राज्य भी इसके प्रभाव में आते दिख रहे हैं।

हरियाणा के इस कानून की तह में जाएं तो ये क्षेत्रीय दलों और उनके एजेंडा के सामने राष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय दलों के समर्पण की दुखद प्रवृत्ति की तरफ भी इशारा करती है। हरियाणा में सरकार का नेतृत्व मनोहर लाल कर रहे हैं। राज्य के युवाओं के लिए आरक्षण के द्वारा रोजगार के अवसर बढ़ाने का वादा दुष्यंत चौटाला ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किया था। सरकार के गठन के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ आने पर चौटाला के लिए अपना जनाधार बचाने के लिए इस कानून को लागू करना जरूरी हो गया था। देखा जाए तो यह मंजूरी दुष्यंत चौटाला की पार्टी के लिए निश्चित रूप से एक उपलब्धि है जिससे उनकी पार्टी का राज्य में जनाधार बढ़ेगा। इस कानून का प्रारूप जब पिछले साल जुलाई में तय किया गया था, उस समय भी इसको लेकर चौटाला ने ही राज्य के युवाओं को बधाई देते हुए इसे अपनी जीत के रूप में पेश किया था।

विचारणीय यह है कि भाजपा राष्ट्रीय दल है और उसे पूरे देश में चुनाव लड़ना है। ऐसे में रोजगार के मुद्दे को राज्यों के स्तर पर न देख कर उसे राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखना होगा। यह भी संभव हो सकता है कि यह कानून उसके लिए गले की हड्डी बन जाए। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि बिहार में राजद बीते विधानसभा चुनाव में रोजगार के मुद्दे को भुनाने में काफी हद तक सफल होता दिखा और पहले से कहीं ज्यादा मजबूत बन कर उभरा। वह भी हरियाणा सरकार के इस निर्णय पर आक्रामक हो सकता है। यह भी सही है कि बिहार में भाजपा की सहयोगी जदयू, जो खुद भी काफी हद तक क्षेत्रीय पार्टी है, इस मुद्दे पर भाजपा के साथ नहीं खड़ी होगी। अगले साल ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे, वहां भी भाजपा का सामना क्षेत्रीय दलों के साथ ही है। ऐसे में वहां भी यह कानून एक मुद्दा बन सकता है। हरियाणा में निजी क्षेत्रों की नौकरियों में स्थानीय निवासियों के आरक्षण के मसले पर जहां उद्योग संगठनों ने इसके अर्थशास्त्र से जुड़े पहलुओं पर प्रश्न उठाया है, वहीं इसके राजनीतिक और अन्य प्रभावों को लेकर भी बहस शुरू हो चुकी है।

क्या कहें क्या न कहें

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश भर की अदालतों के लिए यौन हिंसा से जुड़े मामलों में खास एहतियात बरतने के ऐतिहासिक निर्देश जारी किए। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी जज यौन उत्पीड़न से जुड़े किसी मामले की सुनवाई करते हुए न तो किसी तरह की महिला विरोधी टिप्पणी करे और न ही दोनों पक्षों में समझौता कराने की कोशिश करे। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले में दिया जिसमें हाईकोर्ट ने छेड़छाड़ के आरोपी को इस शर्त पर जमानत दे दी थी कि वह पीड़िता के घर जाकर उससे राखी बंधवाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब न केवल निचली बल्कि कई ऊपर की अदालतों में भी यौन उत्पीड़न को लेकर हल्का रुख देखने को मिला है। ऐसे मामलों में जजों के फैसलों तथा टिप्पणियों को लेकर समाज के संवेदनशील हलकों में तीखी प्रतिक्रिया दर्ज की गई, साथ ही न्यायपालिका के एक हिस्से की सोच पर सवाल भी उठे।

न्याय के आसन से परे हटकर समाज के अन्य जिम्मेदार हिस्सों की ओर देखें तो ऐसे बयान थोक में मिल जाते हैं जिनमें महिलाओं को उनके कपड़ों के आधार पर चरित्र प्रमाणपत्र बांटने की हड़बड़ी नजर आती है। हालांकि भारत जैसे तेजी से बदलते समाज में महिलाओं को लेकर परस्पर विरोधी धारणाओं का मौजूद होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हजारों साल की पितृसत्ता से उबरने में अमेरिका और यूरोपीय देशों को कई शताब्दियां लग गईं, जबकि भारत में आजादी मिलने के ढाई साल के अंदर महिलाओं को सारे अधिकार देने वाला संविधान लागू हो गया। स्वतंत्रता और समानता के इस संविधान प्रदत्त परिवेश में महिलाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के दरवाजे तो खुले, लेकिन परिवार और समाज के ढांचों में बदलाव की वह प्रक्रिया, जिसका काम उन्हें बराबर के इंसान के रूप में देखना संभव बनाना था, हमारे यहां काफी धीमी गति से आगे बढ़ी। नतीजा यह कि महिलाएं पढ़-लिखकर अलग-अलग पेशों में ऊंचे ओहदों पर पहुंचती गईं, लेकिन समाज उनके बारे में दकियानूसी ढंग से ही सोचता रहा। यह सोच कभी किसी नेता के बयान, कभी किसी अफसर की हरकत और कभी किसी जज की टिप्पणी के रूप में सामने आकर देश को शर्मसार करती रहती है।

खास बात यह कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा निर्देश में उन वाक्यांशों के उदाहरण भी दिए हैं जो अदालती फैसलों में अक्सर स्थान पाते हैं और जिनसे आगे बचना जरूरी है। महिलाएं शारीरिक तौर पर कमजोर होती हैं और उन्हें सुरक्षा की जरूरत होती है से लेकर मातृत्व हर महिला का कर्तव्य है, पुरुष घर के मुखिया होते हैं और महिलाएं भावुक होती हैं इसलिए अक्सर ओवर रिएक्ट करती हैं तक ऐसा हर वाक्यांश पितृसत्तात्मक सोच की पूरी कहानी बयान करता है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश भले सिर्फ जजों के लिए जारी किया हो, यह पूरे समाज के लिए दिशानिर्देश का काम करेगा।

जनभागीदारी से जल निकायों का संरक्षण सुनिश्चित करे सरकार

जल के बिना जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। जल के कारण ही आज मनुष्य जाति पृथ्वी पर विकसित हो सकी है। वर्तमान समय में पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन की समस्या विश्व समुदाय के समक्ष एक चुनौती बनकर उभरी है। पारिस्थितिकी में संतुलन के लिए प्राचीन भारतीय दर्शन आज भी सबसे अधिक प्रासंगिक है। पारिस्थितिकी संतुलन का संरक्षण हमारी प्राचीन परंपरा रही है। हमारे प्राचीन वैदिक साहित्य में सभी जीवित प्रजातियों को समान रूप से सम्मान देने के उदाहरण हैं। ऋग्वैदिक ऋचाओं में सभी के कल्याण की प्रार्थना की गई है। यही कारण है कि पृथ्वी पर न केवल मनुष्यों का, बल्कि सभी जीव-जंतुओं एवं वनस्पतियों का भी समान अधिकार माना गया है।

वेटलैंड्स हमेशा से भारत की सामाजिक-पारिस्थितिक प्रणाली का अभिन्न अंग रहे हैं। देश के विभिन्न जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में फैले इन वेटलैंड्स द्वारा लाखों लोगों का जीवनयापन होता है। इनके संरक्षण की महत्ता तथा विषय की गंभीरता को समझते हुए सभी हितधारकों द्वारा इस दिशा में सतत प्रयास की आवश्यकता है। बचपन से कार्यक्षेत्र यमुना नदी के प्रवाह वाले कुरुक्षेत्र, अंबाला, यमुनानगर और जगाधरी क्षेत्रों में होने के कारण वेटलैंड्स की बहुतायत उपस्थिति का गवाह रहा हूं। आज से तीन-चार दशक पहले तक इस क्षेत्र में तालाबों, बावड़ियों, कुओं, जोहड़ों तथा अन्य जल निकायों की भरमार थी। बरसात के दिनों में नदियों व नालों में आने वाला पानी पूरे क्षेत्र की धरती को आर्द्र बनाए रखता था, जिससे साल भर के पानी की जरूरत पूरी हो जाती थी। आम जनमानस के जीवन में इन जल निकायों की महत्ता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हरेक शुभ अवसर पर ये पूजनीय होते थे, लेकिन बढ़ती जनसंख्या के लिए आवास तथा अन्य मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में तथा आधुनिकीकरण की भागदौड़ में प्राकृतिक जल निकायों का प्रवाह जाने-अनजाने में संकुचित कर दिया गया, जिससे ऐसे जल निकाय नष्ट होने लगे।

सरस्वती के उद्गम स्थल आदि बद्री में जहां पहले नदी का पूर्ण प्रवाह हुआ करता था, दुर्भाग्यवश समय के साथ यह जल निकाय समाप्ति के कगार पर आ गया था। हरियाणा की राज्य सरकार और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रयासों से सरस्वती हैरिटेज बोर्ड की स्थापना कर सरस्वती नदी के विकास का प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की जीवनशैली, आस्थाओं एवं भौगोलिक अवस्थाओं वाले विशिष्ट संस्कृति से युक्त इस विविधतापूर्ण देश में पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य किया जा रहा है। नमामि गंगे मिशन की व्यापक एवं विविधतापूर्ण पहलों से आज नदियों के संरक्षण तथा पर्यावरण व पारिस्थितिकी संतुलन को लेकर देशवासियों के भीतर आशा और विश्वास के साथ एक नई चेतना जागृत हुई है। इस चिंतन ने देश को इस महत्वपूर्ण विषय पर सहजता से एकजुट करने के साथ ही संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को गति प्रदान की है। नमामि गंगे मिशन अपनी तरह का पहला ऐसा कार्यक्रम है, जहां वेटलैंड संरक्षण कार्य को नदी बेसिन प्रबंधन योजना का अभिन्न अंग बनाया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा किए जा रहे कार्य पूरे देश में नदियों और वेटलैंड संरक्षण के लिए एक मॉडल फ्रेमवर्क के रूप में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इस वर्ष सरकार द्वारा विज्ञान और समुदाय आधारित कार्यक्रम को भी लॉन्च किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मां गंगा के ममतामयी आंचल में बसे 50 से ज्यादा जिलों में स्थानीय गंगा प्रहरी प्रत्येक जिले में 10 से ज्यादा वेटलैंड्स की पहचान कर उनके विकास से संबंधित गतिविधियों पर कार्य करेंगे। इन गतिविधियों के आधार पर नमामि गंगे मिशन के माध्यम से वेटलैंड्स संरक्षण को सुनिश्चित किया जाएगा। वेटलैंड संरक्षण कार्य को कैच द रेन योजना से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि वर्षा जल को बेहतर तरीके से संरक्षित कर इसका समुचित तथा सार्थक उपयोग किया जा सके। इस योजना से न केवल भूजल का स्तर बढ़ेगा, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली विनाशकारी बाढ़ पर भी पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सकेगा।

आज वेटलैंड्स पर बहुत सी जानकारी उपलब्ध है, रेगुलेटरी फ्रेमवर्क भी मौजूद है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि इनको जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाए और लोगों में इस बारे में जागरूकता बढ़ाई जाए। किसी भी अभियान की सफलता में जनभागीदारी एक महत्वपूर्ण पहलू होता है जो उस योजना की सफलता का प्रमुख कारण भी। नमामि गंगे को भी सामुदायिक योजना की तरह लागू किया गया है जिसमें जनता की पूर्ण रूप से भागीदारी है। आज जनभागीदारी के कारण वेटलैंड्स संरक्षण समेत घाटों की मरम्मत, तालाबों को पुनर्जीवित करना, नदियों के किनारे पौधरोपण, कचरे की सफाई जैसी समस्यों का समाधान सुनिश्चित हो सका है। समझना होगा कि वेटलैंड्स हमारी समृद्ध विरासत हैं तथा विश्व विरासत स्थलों की भांति ही इनका संरक्षण आज समय की मांग है। आज वेटलैंड्स और नदियों के संरक्षण की दिशा में स्वयंसेवी संस्थाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। निश्चित रूप से स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग तथा जनभागीदारी द्वारा हम जल्द ही अधिकाधिक सार्थक परिणाम प्राप्त करने में सफल होंगे।

अपनी जमीन छोड़ती कांग्रेस, कभी अपने दम पर लड़ती थी चुनाव; अब सहयोगियों पर निर्भर रहने लगी है पार्टी

> एक समय कांग्रेस ने इस पार्टी से समझौता करने से इन्कार कर दिया था। हाल में पीसी चाको ने इस्तीफा देकर केरल में भी कांग्रेस को झटका दे दिया है। चाको ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने जिस तरह गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा किया, उससे उसकी और फजीहत ही हुई है। इसके पहले जी-23 गुट के नेता भी परोक्ष रूप से गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम दिखने वाली कांग्रेस अब जिस तरह राज्यों में क्षेत्रीय दलों के लिए अपनी जमीन छोड़ रही है, उससे वह और कमजोर ही हो रही है। कांग्रेस की यह कमजोरी भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं।

पांच राज्यों- बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव घोषित होने के पहले से ही भाजपा ने इन राज्यों में अपना ध्यान केंद्रित कर रखा था। बंगाल में तो भाजपा ने पिछले डेढ़ साल से ऐसा माहौल बना रखा है कि तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही थीं। तृणमूल नेताओं के भाजपा में शामिल होने का जो सिलसिला कायम हुआ था, वह चुनावों की घोषणा के बाद और तेज हो गया है। भाजपा में शामिल होने वाले तृणमूल के कुछ बड़े नेता भी हैं। इनमें दिनेश त्रिवेदी प्रमुख हैं। ममता बनर्जी के खास माने जाने वाले सुवेंदु अधिकारी भाजपा में आने के बाद अब उन्हें ही नंदीग्राम में चुनौती दे रहे हैं। तृणमूल बंगाल में भाजपा की बढ़त रोकने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। इनमें भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा भी शामिल है और पुलिस का दुरुपयोग भी। शायद इसी कारण चुनाव आयोग ने राज्य के पुलिस प्रमुख को हटा दिया।

यदि तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई तो फिर उसके लिए दोबारा अपनी पैठ बनाना मुश्किल होगा। भाजपा बंगाल में सत्ता में आने के लिए इसलिए कमर कसे हुए है, क्योंकि लगभग साढ़े तीन साल बाद लोकसभा चुनाव होने हैं और वह यह जानती है कि उसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा आदि में कुछ नुकसान हो सकता है। इसी कारण वह बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करना चाहती है। यह तभी संभव है, जब वह वहां सत्ता हासिल करे। वह इसी कोशिश में है, लेकिन कांग्रेस यहां सत्ता की दौड़ में ही नहीं दिख रही है।

बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें हासिल की थीं। यह अप्रत्याशित जीत थी। इस जीत ने भाजपा का मनोबल बढ़ाया। ममता दस सालों से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके लिए तीसरी बार सत्ता हासिल करना आसान नहीं, क्योंकि सत्ता विरोधी रुझान मजबूत होता दिखता है। भाजपा ने अपने चुनाव अभियान को प्रधानमंत्री मोदी की छवि और केंद्र सरकार के कामकाज पर केंद्रित किया हुआ है। इसके जवाब में तृणमूल के पास जनता को आकर्षित करने के लिए कुछ खास नहीं है। पिछले दस वर्षों में बंगाल की हालत में कोई खास परिवर्तन देखने को नहीं मिला है। ममता सरकार ने केंद्र की योजनाओं को अपने यहां लागू न करने का जो काम किया, उसकी सफाई में उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। बंगाल में यह धारणा मजबूत हुई है कि जो तौर-तरीके वाम दलों ने अपना रखे थे, वही ममता ने अपना लिए। ममता सरकार ने मुस्लिम तुष्टीकरण की जो रणनीति अपना रखी थी, वह इस बार काम आने वाली नहीं है। शायद इसीलिए ममता ने हिंदुओं को रिझाने के लिए चंडी का पाठ किया तो मुसलमानों को संदेश देने के लिए मस्जिद भी गईं।

अपने देश की विडंबना यह है कि औसत मतदाता जात-पांत और मजहब के आधार पर वोट देता है। इसके चलते कई बार सरकार के कामों के बजाय अन्य कारणों के आधार पर मतदान होता है। ममता की मुस्लिम तुष्टीकरण के जवाब में भाजपा हिंदू मतों के ध्रुवीकरण के लिए जय श्रीराम नारे का इस्तेमाल कर रही है। इससे दबाव में आई ममता खुद को हिंदू दिखाने में लगी हुई हैं। अन्य दल और विशेष रूप से कांग्रेस और वाम दल बातें तो सेक्युलरिज्म की कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कट्टरपंथी मौलाना एवं फुरफुरा शरीफ दरगाह के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी के इंडियन सेक्युलर फ्रंट से गठबंधन कर रखा है।

इसी तरह असम में कांग्रेस ने सांप्रदायिक छवि वाले बदरुद्दीन अजमल से समझौता किया है। सेक्युलरिज्म के नाम इस तरह की राजनीति से आम हिंदू समाज आजिज आ गया है। इसे राजनीतिक दल भी समझ रहे हैं और इसी कारण समय-समय पर वे हिंदू समाज को रिझाने की कोशिश करते रहते हैं। गुजरात और कर्नाटक चुनाव के समय राहुल गांधी शिवभक्त बनकर मंदिर-मंदिर जा रहे थे तो अभी हाल में प्रियंका गांधी संगम में डुबकी लगाती दिखीं। मतदाताओं को ऐसे तौर-तरीकों को अहमियत नहीं देनी चाहिए। उनकी कसौटी तो यही होनी चाहिए कि प्रदेश और देश के विकास के लिए कौन दल सही काम कर रहा है। मतदाता चाहे जिस दल को प्राथमिकता दें, वे इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि मोदी सरकार ने विकास के मोर्चे पर बहुत कुछ कर दिखाया है। विकास के साथ जन कल्याण की मोदी सरकार की तमाम योजनाएं असरकारी भी दिखती हैं। कोविड महामारी के दौरान जब दुनिया की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई थी, तब भारतीय अर्थव्यवस्था को भी खासा नुकसान पहुंचा। देश की अर्थव्यवस्था संभालने के लिए मोदी सरकार की ओर से जो कदम उठाए गए हैं, उनके चमत्कारिक असर भले न दिखें हों, लेकिन वह पटरी पर तो आ ही रही है। भारत ने कोरोना से निपटने के साथ जिस तरह तमाम देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई, उसकी सराहना पूरी दुनिया में हो रही है। भाजपा इसे विधानसभा चुनावों में भुनाने की कोशिश करेगी। इसमें कोई हर्ज भी नहीं।

लगातार कमजोर होती कांग्रेस भाजपा के लिए भले ही लाभकारी हो, पर देश की राजनीति के लिए ठीक नहीं। एक समय जो कांग्रेस अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ती थी, वह अब सहयोगियों पर निर्भर रहने लगी है। उसकी यह निर्भरता लगातार बढ़ती जा रही है। तमिलनाडु में द्रमुक ने कांग्रेस को महज 25 सीटें दी हैं तो बंगाल में वाम दलों ने 92। असम, केरल और पुडुचेरी में कांग्रेस अवश्य गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, लेकिन वह पहले जैसी सक्षम नहीं दिख रही। असम में जो कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही, वहां उसे पांच दलों से समझौता करना पड़ा है। इनमें सांप्रदायिक छवि वाली अजमल की पार्टी भी है। एक समय कांग्रेस ने इस पार्टी से समझौता करने से इन्कार कर दिया था। हाल में पीसी चाको ने इस्तीफा देकर केरल में भी कांग्रेस को झटका दे दिया है। चाको ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने जिस तरह गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा किया, उससे उसकी और फजीहत ही हुई है। इसके पहले जी-23 गुट के नेता भी परोक्ष रूप से गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम दिखने वाली कांग्रेस अब जिस तरह राज्यों में क्षेत्रीय दलों के लिए अपनी जमीन छोड़ रही है, उससे वह और कमजोर ही हो रही है। कांग्रेस की यह कमजोरी भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

चित्रकूट में मिलावटी शराब के सेवन से पांच लोगों की मौत पर सीएम योगी आदित्यनाथ का सख्त एकशन, 10 सस्पेंड

लखनऊ । चित्रकूट जिले में मिलावटी शराब के सेवन से शनिवार को पांच लोगों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त एक्शन लिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर से ही इस प्रकरण में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की निर्देश दिया। इसके बाद एसडीएम व सीओ सहित दस लोगों को निलंबित किया गया।

चित्रकूट जिले के थाना राजापुर क्षेत्र के ग्राम खोपा में मिलावटी शराब के सेवन से पांच लोगों की मौत तथा निवर्तमान प्रधान समेत पांच की हालत गंभीर होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। उनके निर्देश पर उप जिलाधिकारी राजापुर राहुल कश्यप विश्वकर्मा, क्षेत्राधिकारी राजापुर रामप्रकाश, जिला आबकारी अधिकारी चतर सेन चित्रकूट तथा राजापुर थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह को पर्यवेक्षणीय दायित्वों के निर्वहन के अभाव में तात्कालिक प्रभाव से निलम्बित किया गया। तीन आबकारी दारोगा के साथ घटना के संबंध में लापरवाही को देखते हुए बृजेश पांडे (उपनिरीक्षक) हल्का प्रभारी तथा बीट कांस्टेबल राजापुर

भूपेन्द्र सिंह व संबंधित लेखपाल राजेश सिंह को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इन सभी साथ ही ग्राम चौकीदार खोपा, सुनील कुमार की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं। एसपी अंकित मित्तल ने राजापुर थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह को सोमवार को निलंबित कर दिया है। इस मामले में एसडीएम, सीओ, जिला आबकारी अधिकारी, हल्का इंचार्ज व सिपाही, क्षेत्रीय लेखपाल व तीन आबकारी निरीक्षक पर रविवार को ही निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है।

विभाग ने तीन पर की कार्रवाइः इस घटना के तुरंत बाद ही अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने आबकारी निरीक्षक अशरफ अली सिद्दीकी, प्रधान आबकारी सिपाही सुशील कुमार पांडेय व सिपाही संदीप कुमार मिश्र को निलंबित कर दिया।

लेखपाल, दारोगा और सिपाही का भी निलंबनः एसपी अंकित मित्तल ने बताया कि गांव स्थित परचून दुकान में अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी। दुकानदार त्रिलोक ड्क्षसह को गिरफ्तार किया गया है। वो पड़ोसी गांव बरद्वारा स्थित राम प्रकाश यादव के ठेका से देसी शराब लाता था, जिसे सील किया गया है। साथ ही हल्का के दारोगा बृजेश पांडेय, सिपाही भूपेंद्र कुमार व क्षेत्रीय लेखपाल राजेश ड्क्षसह को निलंबित किया गया है। गांव के चौकीदार सुनील कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई है।

हिरासत में अनुज्ञापी, दुकान सीलः इसके साथ ही इस क्षेत्र के देशी शराब के अनुज्ञापी रामप्रकाश यादव की दुकान को सील कर उन्हे हिरासत में ले लिया गया है। गावं के त्रिलोक सिंह की परचून की दुकान को भी सील कर दुकानदार को हिरासत में लिया गया है। अवैध तरीके से शराब बेचने के आरोपित परचून दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया गया। पड़ोसी गांव के देशी शराब ठेका को सील करके मौके पर मिली शीशी से नमूने लेकर जांच को भेजे गए हैं।

गौरतलब है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जारी आरक्षण सूची में राजापुर क्षेत्र की खोपा ग्राम पंचायत सीट महिला के लिए आरक्षित होने पर शनिवार रात गांव निवासी मुन्नीलाल के घर पर मछली और शराब की पार्टी हुई। इसमें गांव के ही आधा दर्जन लोगों ने शराब पी। इसके बाद घर पहुंचे सत्यम सिंह, दुर्विजय सिंह, मुन्ना सिंह, छोटू सिंह और बबली सिंह की हालत बिगड़ गई। हालत और बिगडऩे पर रविवार सुबह सभी को लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां पर मुन्ना सिंह की मौत हो गई। बाकी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजापुर में प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया गया। स्वजन उन्हें लेकर जा रहे थे, तभी कौशांबी में दुर्विजय व सत्यम ने भी दम तोड़ दिया। प्रयागराज में भर्ती बबली सिंह की सांसें भी रविवार रात उखड़ गईं। शराब पीने से तीन मौतों की खबर गांव पहुंची तो सीताराम सिंह के स्वजन का परेशान हो गए। शुक्रवार रात उसने भी परचून दुकान से शराब पी थी। उसके बाद शनिवार सुबह 11 बजे अचानक तबीयत बिगडऩे के बाद निजी अस्पताल में मौत हुई थी। चित्रकूटधाम के मंडलायुक्त दिनेश कुमार सिंह, आइजी के. सत्यनारायण, डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल व एसपी अंकित मित्तल ने गांव पहुंचकर जांच की। खोपा के निवर्तमान प्रधान राम मनोहर निषाद, सुरवल निवासी राम सिंह, यहीं के बड़हर का पुरवा निवासी शिव नरेश निषाद व बुद्धन निषाद ने भी परचून दुकान से ही खरीदकर पी थी।

पंचायत चुनाव की सरकार की जोरदार तैयारी, 12 घंटे के अंदर 66 पीपीएस अफसरों के ट्रांसफर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही अपनी तैयारी मुस्तैद कर रही है। सरकार ने इसी शुरुआत पुलिस विभाग में तबादलों से की है। सोमवार सुबह 56 डिप्टी एसपी का तबादला किया गया। इससे पहले शासन ने रविवार रात को दस अपर पुलिस अधीक्षकों का कार्यक्षेत्र बदला गया था।

त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर तबादले चल रहे हैं। दो दिन में 66 पीपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। सोमवार को जारी तबादलों की सूची में 56 डिप्टी एसपी का कार्यक्षेत्र बदला गया है। दो दिन में बड़े पैमाने पर हुए तबादले को लेकर पुलिस विभाग में खलबली मच गई है।

माना जा रहा है कि सरकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अपनी जोरदार तैयारी कर रही है, इसी कारण इन अधिकारियों का कार्यक्षेत्र बदला गया है। जबकि पुलिस विभाग के आलाधिकारियों का कहना है कि ये सामान्य तबादले की प्रक्रिया थी उसी के तहत तबादले किए गए हैं। सोमवार को जारी 56 डिप्टी एसपी के तबादले की सूची में विक्रमजीत को डीएसपी बलिया बनाया गया है। इसके साथ उमाशंकर

उत्तम को डीएसपी मऊ, राकेश कुमार सिंह डीएसपी मुजफ्फरनगर, बृजमोहन गिरी डीएसपी आगरा तथा अशोक कुमार सिंह डीएसपी भदोही के पद पर तैनात किया गया है।

साधू राम डीएसपी इटावा, अनिल कुमार डीएसपी सीबीसीआइडी, मेरठ, वीरेंद्र प्रताप सिंह डीएसपी सीबीसीआइडी वाराणसी तथा राजेंद्र कार को डिप्टी एसपी पीएसी मुख्यालय लखनऊ के पद पर तैनात किया गया है।

तबादला सूची- विक्रमाजीत सिंह डीएसपी बलिया, उमाशंकर उत्तम डीएसपी मऊ, राकेश कुमार सिंह डीएसपी मुजफ्फरनगर, ब्रजमोहन गिरी डीएसपी आगरा, अशोक कुमार सिंह डीएसपी भदोही, साधुराम डीएसपी इटावा, अनिल कुमार डीएसपी सीबीसीआईडी मेरठ सेक्टर, शिव प्रताप सिंह डीएसपी अलीगढ़, नागेंद्र यादव सहायक सेनानायक 36 वीं पीएसी वाराणसी, राजकुमार मिश्रा डीएसपी बरेली, वीरेंद्र प्रताप सिंह डीएसपी सीबीसीआईडी वाराणसी सेक्टर, अजय कुमार सिंह डीएसपी गोरखपुर, देवेंद्र कुमार फर्स्ट सहायक सेनानायक 23वीं पीएसी मुरादाबाद, सुनील दत्त दुबे डीएसपी महाराजगंज, ब्रह्मपाल सिंह द्वितीय सहायक सेनानायक 47वीं पीएसी गाजियाबाद अरविंद कुमार डीएसपी शाहजहांपुर, अशोक कुमार सिंह पंचम सहायक सेनानायक 36वीं पीएसी वाराणसी, राकेश सिंह डीएसपी संभल, अशोक कुमार पांडे सहायक सेनानायक 30 वीं पीएसी गोंडा, ओंकार नाथ शर्मा डीएसपी रामपुर, अजय कुमार चतुर्थ सहायक सेनानायक 15वीं पीएसी आगरा, सुनील कुमार त्यागी डीएसपी एटा, प्रभात कुमार वर्मा मंडल अधिकारी अलीगढ़, वैद्यनाथ प्रसाद डीएसपी बरेली, महेश चंद्र गौतम डीएसपी मुरादाबाद, रामशरण सिंह सहायक सेनानायक 27वीं पीएसी सीतापुर, परशुराम सिंह डीएसपी कानपुर देहात, उम्र दराज खान सहायक सेनानायक 39वीं पीएसी मिर्जापुर, अजय कुमार डीएसपी बरेली, ओम प्रकाश आर्य सहायक सेनानायक 45वीं पीएसी अलीगढ़, नेत्रपाल सिंह डीएसपी मथुरा, सतीश कुमार सहायक सेनानायक 41वीं पीएसी गाजियाबाद,, संजीव कुमार सिंह डीएसपी रामपुर, उत्तम सिंह सहायक सेनानायक 38वीं पीएसी अलीगढ़, सुनील दत्त डीएसपी पीलीभीत तथा विजय आनंद शाही डीएसपी गाजीपुर।

संक्षिप्त खबर

उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहा कोरोना वायरस का खतरा, 496 और मिले संक्रमित

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामले फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। मार्च के पहले तीन हफ्तों के दौरान सूबे में कोरोना के मामले बढ़कर पौने छह गुना हो गए हैं। प्रतिशत के तौर पर देखा जाए तो पहली से 21 जनवरी तक कोरोना के मामलों में 470 फीसद की वृद्धि हुई है। बीते 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोरोना संक्रमित 496 नए मरीज मिले। लिहाजा प्रदेश में कोरोना के सक्रिय केस की संख्या बढ़कर 3,036 हो गई है। बीती एक मार्च को प्रदेश में 87 रोगी मिले थे। उस समय लग रहा था कि संक्रमण की रफ्तार सुस्त हो गई है, लेकिन बीते कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण का ग्राफ फिर उठने लगा है। बीती 14 मार्च को सूबे में कोविड संक्रमित 178 मरीज मिले थे। 15 मार्च को यह संख्या बढ़कर 151, 16 मार्च को 228, 17 मार्च को 261, 18 मार्च को 321, 19 मार्च को 393, 20 मार्च को 442 और रविवार यानी 21 मार्च को 496 हो गई। बीती 16 जनवरी के बाद यह किसी एक दिन में पाए गए कोरोना मरीजों की सबसे बड़ी संख्या है। 16 जनवरी को प्रदेश में कोरोना के 533 नए मरीज मिले थे। बीते 24 घंटे में प्रदेश में कोरोना संक्रमित सर्वाधिक 141 मरीज लखनऊ में मिले। बीते कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण की रफ्तार फिर बढऩे से अब लखनऊ में कोविड के 659 मामले हो गए हैं। राजधानी के अलावा वाराणसी में 32, प्रयागराज में 30, गाजियाबाद में 28, झांसी में 17, कानपुर नगर में 16, चंदौली में 15, सहारनपुर में 14 नए मरीज मिले। श्रावस्ती, संभल, महोबा और सिद्धार्थनगर जिले जो कोरोना संक्रमण से मुक्त हो गए थे, कोविड का प्रकोप बढऩे से यहां नए रोगी मिल गए हैं। अब सिर्फ कासगंज जिला ही कोरोना मुक्त है।

रेलवे विश्रामालय में किशोरी को बंधक बनाकर रेलकर्मी ने किया दुष्कर्म

गोरखपुर । देवरिया के भटनी में रेलवे विश्रामालय (रेलवे रेस्ट हाउस) में एक रेलकर्मी ने विभाग की चतुर्थ श्रेणी की महिला कर्मी की बेटी को रेस्ट हाउस में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया और बेहोशी की हालत में झाड़ी में फेंककर फरार हो गया। सुबह किशोरी बेहोशी की हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपित रेलकर्मी (ट्रालीमैन) के खिलाफ दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। देर रात पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उधर किशोरी की मां ने आरोप लगाया है कि आरोपित ने उसके घर के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया था। जिससे सभी को नींद आ गई। भटनी रेलवे कालोनी में एक महिला रेलकर्मी अपनी 15 साल की बेटी व एक बेटे के साथ रहती है। रात को महिला भोजन करने के बाद सोने जा रही थी, इस बीच ट्रालीमैन संतोष यादव निवासी कुसम्ही जनपद गोरखपुर आया और महिला के घर से रेलवे के रेस्ट हाउस का चाबी मांग कर चला गया। रात में करीब 11.30 बजे महिला की बेटी को फोन कर पानी मांगा। किशोरी पानी लेकर रेस्ट हाउस पहुंची। इसके बाद आरोपित ट्रालीमैन ने किशोरी के हाथ, पैर बांधने के साथ उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद किशोरी को झाड़ी में फेंक कर आरोपित फरार हो गया। पीड़ित किशोरी की मां के अनुसार आधी रात को जब उसकी नींद खुली तो बेटी नहीं थी। उसके बाद महिला बेटी की तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिली। सुबह जब बगल के झाड़ी में किशोरी के बेहोशी की हालत में मिलने की सूचना मिली तो सनसनी फैल गई। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सोनकर, क्षेत्राधिकारी पंचमलाल के साथ मौके पर पहुंच गए और किशोरी का बयान दर्ज किया। किशोरी को मेडिकल के लिए पुलिस ने जिला अस्पताल भेजा है। पीड़िता की मां का कहना है कि आरोपित ने हम लोगों के भोजन में भी कोई नशीला पदार्थ मिला दिया था, जिसके चलते नींद आ गई।

कुशवाहा ने जेडीयू में शामिल होने के बाद पहली बार खोला राज, आसान नहीं था विलय का फैसला

वैशाली । जनता दल यूनाइटेड में अपनी पूरी पार्टी का विलय करने के बाद तत्कालीन राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष रहे उपेंद्र कुशवाहा पहली बार वैशाली के जंदाहा स्थित अपने घर पहुंचे। अब जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधान पार्षद के अपने पैतृक गांव पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं उनका स्वागत किया।

इस मौके पर कुशवाहा ने बताया कि वे पहले भी जेडीयू में थे। कुछ कारणवश नीतीश कुमार से राजनीतिक दूरी बन गई थी, लेकिन अब दोनों साथ हैं। उन्होंने कहा कि आरएलएसपी के जेडीयू में विलय का फैसला आसान नहीं था। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि उन्होंने नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक रहकर सक्रिय राजनीति की है। कुछ कारणवश जेडीयू व नीतीश कुमार से राजनीतिक दूरी बन गई थी। हालांकि, व्यक्तिगत संबंध हमेशा अच्छे रहे। बिहार विधानसभा चुनाव में आरएलएसपी को सफलता नहीं मिली। इससे लगा कि जनता ने हमें पुन- अपने घर में वापस जाने का आदेश दिया है। कहा कि वे जनता के निर्णय का सम्मान करते हुए जेडीयू में शामिल हुए हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि आरएलएसपी के जेडीयू में विलय का निर्णय लेना आसान नहीं था। इसमें कई पेंच थे। इसके लिए आम यहमति बनाना बड़ा टास्क था। लेकिन दो दिवसीय मैराथन बैठक के पश्चात् सर्वसम्मति से आरएलएसपी के जेडीयू में विलय करने का निर्णय लिया गया।

बिहार दिवस समारोह : सीएम नीतीश ने कोरोना से किया सावधान; राष्ट्रपति व पीएम मोदी ने दीं शुभकामनाएं

पटना । 2021 साल 1912 के 22 मार्च को बिहार की स्थापना बंगाल से अलग करके की गई थी। इसके 109 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को बिहार दिवस समारोह का वर्चुअल आयोजन ज्ञान भवन में किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस समारोह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। उन्होंने कहा है कि नई पीढ़ी को बिहार के गौरव से अवगत कराना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बिहार में कोरोनावायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर लोगों को सावधान किया। बिहार दिवस को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। इसके पहले राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित अनेक नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने भी जनता को बिहार दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दीं।

बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के गौरवशाली इतिहास की याद दिलाई। कहा कि यह ज्ञान व मोक्ष की धरती रही है। कभी यहां से पूरे देश का शासन चलता था। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बिहार में हो रहे विकास कार्यों की भी चर्चा की। उन्होंने जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस साल के बिहार दिवस काम की थीम जल-जीवन-हरियाली बनाने के लिए शिक्षा विभाग की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बिहार में पेयजल, वाटर हारवेस्टिंग, ऊर्जा, स्वास्थ्य व शिक्षा आदि के क्षेत्रों में बिहार में हो रहे कार्यों की जानकारी दी। साथ ही बताया कि यहां लोक सेवाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। लोक शिकायत निवारण कानून बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बिहार की बिहार की बढ़ती आबादी को लेकर चिंता भी व्यक्त की। कहा कि प्रजनन दर को कम करना जरूरी है। इसके लिए लड़कियों की शिक्षा जरूरी है। इसके लिए काम किए गए हैं। अब मैट्रिक की परीक्षा में लड़कों व लड़कियों की संख्या बराबर हो गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में कोरोनावायरस संक्रमण के मामले बढ़े हैं, इसलिए सावधानी जरूरी है। सरकार ने इसपर बहुत नियंत्रण किया है, लेकिन लोग भी सजग व सचेत रहें।

बिहार दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में बिहार दिवस पर सभी को, खासकर बिहार के लोगों को बधाई दी है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि बिहार में अतीत की धरोहर के साथ वर्तमान का पथ प्रदर्शन भी है। यह भूमि प्राचीनतम गणतंत्र से महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह तक की साक्षी रही है। उन्होंने यह भी लिखा है कि इस भूमि पर उन्हें रायपाल की भूमिका निभाने का सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राय की जनता को शुभकामनाएं दी हैं। अपने ट्वीट में उन्होंने अपने गौरवशाली अतीत और समृद्ध संस्कृति के लिए विशेष पहचान रखने वाले इस प्रदेश विकास के नित नए आयाम गढ़ने के लिए शुभकामना की है।

रायपाल फागू चौहान व विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने बिहार दिवस जनता को बिहार दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रायपाल ने बिहार को शांति, सद्भावना, साधना, अहिंसा, ज्ञान, कर्म, बंधुता और प्रेम की पावन भूमि बताया है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें मिल-जुलकर बिहार के गौरव को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश व देशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

लुधियाना में दो बचों की मां ने 4 साल तक प्रेमी से बनाए अवैध संबंध, पति को भनक लगी तो शर्मिंदगी में उठाया खौफनाक कदम

लुधियाना । अवैध संबंधों का हमेशा दर्दनाक अंत होता है। शहर की एक महिला को युवक से प्रेम संबंध रखने पर अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। युवक उसे कुछ समय से परेशान कर रहा था। शेरपुर कलां इलाके में शनिवार शाम को एक विवाहिता ने खुदकुशी कर ली। मामले का पता तब चला जब महिला का पति घर लौटा। उसने देखा कि पत्नी ने पंखे के साथ साड़ी बांधकर फंदा लगाया था। सूचना मिलते ही थाना मोती नगर की पुलिस मौके पर पहुंची। महिला की पहचान 32 वर्षीय ममता देवी के रूप में हुई। उसके दो बचे भी हैं।

चार साल से थे महिला के अवैध संबंध- थाना प्रभारी गुरशिंदर कौर के मुताबिक ममता देवी अपने पति व दो बचों के साथ के इलाके में पिछले काफी समय से रह रही थी। इसी बीच चार साल पहले इलाके में ही रहने वाले शिवपूजन से उसके अवैध संबंध बन गए। कुछ दिन पहले ही इसकी भनक उसके पति को लग गई। इसी कारण वह परेशान रहने लगी थी और फिर शिवपूजन से दूरी बना ली। दूसरी तरफ शिवपूजन उसे लगातार संबंध बनाने के लिए तंग करता रहा। इसी से तंग आकर शनिवार शाम को उसने फंदा लगा लिया। घटना के समय महिला के दोनों बेटे (14 व 10 वर्षीय) ट्यूशन पढ़ने गए हुए थे।

रविवार को महिला के स्वजनों के आने के बाद पुलिस ने महिला के पति व परिजनों के बयान दर्ज कर आरोपित प्रेमी शेरपुर कलां निवासी शिवपूजन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

युवती ने दर्ज कराया मुकदमा- कोतवाल, महिला एसओ, तीन दारोगा समेत सात पुलिस कर्मी नामजद

गोरखपुर । प्रशासनिक और पुलिस महकमे में भूचाल लाने वाले बस्ती में युवती से दुर्व्यवहार मामले में एडीजी जोन के निर्देश पर आईजी बस्ती ने युवती की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमें में आरोपित दारोगा दीपक, उसके भाई दारोगा राजन सिंह, निलंबित कोतवाल रामपाल यादव, तत्कालीन महिला एसओ शीला यादव के साथ बारह पुलिस कर्मी, लेखपाल शालिनी और राजस्व निरीक्षक नामजद किए गए हैं।

यह है मामला

बस्ती कोतवाली थानाक्षेत्र के एक गांव में इश्कबाज दारोगा की करतूत से पूरा पुलिस महकमा शर्मसार हो उठा था। एकतरफा प्यार में दारोगा वर्दी की आड़ में उत्पीड़न की पराकाष्ठा पर पहुंचा। इस खेल में उसने विभाग की छवि को दागदार तो बनाया ही चौदह पुलिस कर्मियों को अपराधी बना दिया। एडीजी जोन के निर्देश पर आईजी बस्ती अनिल कुमार राय ने युवती की ओर से आनन फानन में तहरीर ली और कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। निलंबित कोतवाल के साथ चौदह पुलिस और राजस्व कर्मी नामजद आरोपी बना गए हैं। युवती का आरोप है कि दारोगो को उसने ना की तो उसके स्वजनों पर मुकदमे लाद दिए गए और उन्हें तरह तरह से परेशान किया गया।

सीएम तक पहुंचा तो मचा

हड़कंप- यह मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचा तो प्रशासनिक महकमा हरकत में आया। मुख्य आरोपित दरोगा दीपक सिंह और जांच के दायरे में आए पुलिस और राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। एसपी हेमराज मीणा को हटा दिया गया। कोतवाल राम पाल यादव, दारोगा दीपक सिंह को निलंबित किए जाने के बाद तत्कालीन सीओ सिटी गिरिश कुमार सिंह को भी निलंबित कर दिया गया। सिंह वर्तमान में इसी पद पर कानपुर में तैनात हैं।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

युवती की दी गई तहरीर पर दरोगा दीपक सिंह, उसके भाई दरोगा राजन सिंह,निलंबित कोतवाल रामपाल यादव,पूर्व महिला थाना प्रभारी शीला यादव, दरोगा अभिषेक सिंह,कानूनगो सतीश,हल्का लेखपाल शालिनी सिंह, आरक्षी पवन कुमार कुशवाहा, आलोक कुमार, संजय कुमार, महिला आरक्षी दीक्षा यादव, नीलम सिंह व दो-तीन अज्ञात पुलिस कर्मियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 324, 211, 342, 504, 506, 354, 354 क, ख, ग, घ, 452, 120बी और 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

एक्शन में आए एसपी

कार्यभार संभालते ही एक्शन में एसपी नवागत पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव एक्शन में आ गए हैं। युवती प्रकरण की पूरी जानकारी लेने के बाद वह उच्चाधिकारियों से भी जाकर मिले। बताया कि मुकदमे की जांच सीओ सिटी आलोक प्रसाद को सौंपी गई है। मुकदमे की जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिरासत से दारोगा फरार, फिर गिरफ्तार- उधर, युवती उत्पीड़न के मामले में मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मुख्य आरोपी दरोगा दीपक सिंह दोपहर में कोतवाली थाने से फरार हो गया। देर रात पुलिस ने उसे गोरखपुर में पकड़ लिया। इसे बस्ती लाया गया। रविवार को दोपहर कोतवाली थाने से हिरासत में लिए गए दारोगा चकमा देकर भाग गया था। यह जानकारी जब पुलिसकर्मियों को लगी तो हड़कंप मच गया। जिलेभर की पुलिस उसे खोजने में लगाई गई थी।

प्रयागराज में मिले 47 हजार रुपये के पुराने चलन में बंद हो चुके नोट, पुलिस कर रही जांच

प्रयागराज । एक हजार और 500 के पुराने नोट कब के बंद हो चुके हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने घोषणा करके इन नोटों के चलन पर प्रतिबंध लगा दिया था। लोगों को बैंकों में पुराने नोट जमा करने का समय भी दिया गया था। उसके बाद अंतिम समय भी निर्धारित किया गया था। उसके बाद पुराने नोटों के साथ पकड़े जाने पर कार्रवाई का भी निर्देश दिया गया था। वहीं इतने दिनों बाद प्रयागराज में पुराने एक हजार और 500 सौ के नोट मिलने से पुलिस विभाग में खलबली मच गई है। इसकी जांच शुरू हो गई है।

चचेरे भाई ने उधारी की रकम पुराने बंद हो चुके नोटों से चुकता की- नैनी में औद्योगिक क्षेत्र के मसिका गांव में उधार दिए हुए रुपये मांगने पर चचेरे भाई ने 47 हजार के पुरानी नोट लौटाए। पुराने नोट लौटाने के कारण मामला तूल पकड़ने लगा। भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। इतनी बड़ी मात्रा में पुरानी नोट मिलने से पुलिस जांच के लिए रुपये देने वाले को थाने में बुलाकर पूछताछ कर रही है।

औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाले ननके लाल हरिजन पुत्र स्व. पुत्र श्रीनाथ के अनुसार उसने छह वर्ष पूर्व अपने चचेरे भाई मंगला प्रसाद निवासी महेवा को शादी के लिए एक लाख 20 हजार रुपये उधार दिए थे। जब ननके को पैसे की आवश्यता हुई तो उसने अपने पैसे मांग की। आरोप है कि पहले तो मंगला प्रसाद रुपये वापस करने में टालमटोल करता रहा। इसके लिए ननके ने पंचायत बुलाई तो वह रुपये देने को तैयार हुआ। आरोप है कि उसने एक हजार के तीन नोट और बाकी सब 500 के पुराने बंद हो चुके नोट उसे दे दिए। गिनने पर कुल 47 हजार रुपये थे।

भुक्तभोगी के अनुसार पुराने बंद हो चुके नोट लेने से इंकार करने पर मंगला प्रसाद ने कहा कि यही पैसा तुमने हमें दिया था, जो तुम्हें लौटा रहा हूं। इससे इससे पूरा परिवार परेशान हो गया। ननके ने गांव वालों से अपनी परेशानी बताई कि नोट तो उसके लिए कागज के बराबर है। ननके की पत्नी रामकली का आरोप है कि उसका देवर रुपये लौटा कर घर से फरार हो गया है। जब उन्हें कोई रास्ता नहीं दिखा तो पुलिस को तहरीर दी है। पुराने बंद हो चुके नोट मिलने से पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने नैनीताल के रामनगर में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में।

एक नजर

वैक्सीन के लिए सरकारी अस्पताल हैं दिल्लीवालों की पहली पसंद, आंकड़ों में जानें प्राइवेट सेंटर्स का हाल

नई दिल्ली । कोरोना के मामलों में वापस आई तेजी हर दिन डरा रहा है। इस बीच टीकाकरण अभियान भी तेज है। दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के कोविड-19 टीकाकरण केंद्रों में निजी अस्पतालों की तुलना में अधिक लोग टीका लगवा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने अस्पतालों और क्लीनिकों में उनके द्वारा संचालित केंद्रों पर टीकाकरण की संख्या बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि यह अंतर और अधिक होगा क्योंकि सोमवार से चार घंटे तक ऑन-स्पॉट पंजीकरण के लिए खिड़की खुली रहेगी। आंकड़ों से पता चला है कि 15 मार्च को सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण केंद्रों टीका लेने वाले लोगों की दर 64व थी।जबकि निजी में यह 72व थी। हालांकि, अगले दिन से आंकड़े बदल गए। 16 मार्च को, सरकारी अस्पतालों में 65व लोगों के मुकाबले निजी में 61व ने टीका लगवाया। 17 मार्च को, सरकारी साइटों पर 69व लोग टीका लेने पहुंचे जबकि निजी अस्पतालों में 54व।

अगले दिन सरकारी अस्पताल में ये 72व और निजी में 49व हो गया। इधर, भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, केंद्र सरकार ने कोरोना वैक्सीन के 12 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया है। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को खुराक का आदेश दिया है। बता दें कि सरकार का ये फैसला ऐसे समय में आया है जब देश में कोरोना वायरस एक बार फिर पैर पसार रहा है। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वायरस की एक नई लहर हो सकती है जिसे देश के कई हिस्सों में देखा जा रहा है।

देश भर में आयुष्मान भारत के तहत 31 मार्च तक चालू हो जाएंगे 70 हजार स्वास्थ्य केंद्र

नई दिल्ली । 31 मार्च तक 70 हजार आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेंटरों (एबी-एचडब्ल्यूसी) के संचालित करने के लक्ष्य के साथ ही भारत ने प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने की दिशा में अहम पड़ाव हासिल कर लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि अभी तक 41.35 करोड़ लोग इन सेंटरों तक पहुंच चुके हैं। लाभ लेने वालों में से करीब 54 फीसद महिलाएं हैं। मंत्रालय ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के बावजूद इस गति से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को बढ़ाने की यह उपलब्धि केंद्र और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के बीच उच्च स्तरीय समन्वय की बदौलत हासिल हुई है। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल 2018 में आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेंटर को शुरू करना भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य के इतिहास में एक अविस्मरणीय पल था। शहरी और ग्रामीण इलाकों में 1.5 लाख उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को दिसंबर 2022 तक एबी-एचडब्ल्यूसी में परिवर्तित करने और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल देने का लक्ष्य रखा गया है।

सियासी हलचल पर रामदास अठावले का बयान, अपने कारनामों से खुद ही गिर जाएगी महा अघाड़ी सरकार

मुंबई । महाराष्ट्र में चल रही सियासी हलचल को लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा है कि हम महाराष्ट्र सरकार को गिराने की ज़रूरत नहीं है। इतने आरोप-प्रत्यारोप और इतने मामले सामने आ रहे हैं कि महाराष्ट्र की महा अघाड़ी सरकार अपने कारनामों से खुद ही गिर जाएगी और उसके बाद हम वहां सरकार बनाएंगे। गौरतलब है कि मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के द्वारा राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे को लिखे गए पत्र को लेकर केंद्रिय मंत्री रामदास अठावले ने बड़ा बयान दिया था। अठावले ने कहा था कि गृहमंत्री पर लिखित में आरोप लगाना वाकई गंभीर मामला है। इस मामले में सचिन वझे और शिवसेना का नजदीकी संबंध दिख रहा है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस भी इस मसले पर बात कर चुके हैं। अठावले ने कहा था कि महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था बेहद खराब स्थिति में पहुंच चुकी है। सचिन वाझे जैसे आपराधिक अधिकारियों को सरकार का संरक्षण दिया जा रहा है। अठावले ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की भी मांग की और कहा कि इस बारे में मैं गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखूंगा।

बता दें कि बीती 25 फरवरी को दक्षिण मुंबई में बिजनेस मैन मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो कार के बाद से ही राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लग रहे हैं। इस घटना के बाद मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का तबादला कर दिया गया। वहीं शुक्रवार को संसद में भाजपा सांसद नारायण राणे ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ठीक से काम नहीं कर रहा है। यहां सब काम अधिकारियों की इच्छानुसार किया जा रहा है। नारायण राणे ने ये भी कहा कि मुंबई में तो मुकेश अंबानी जैसे शख्स भी सुरक्षित नहीं हैं।

शिवसेना नेता संजय राउत बोले- जांच की चुनौती के लिए सरकार तैयार, बार-बार क्यों उठाया जा रहा है इस्तीफे का मुद्दा

मुंबई । महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के इस्तीफे की मांग को लेकर शिवसेना नेता संजय राउत का कहना है कि एनसीपी प्रमुख ने फैसला किया है कि आरोपों की जांच होनी चाहिए, तो क्या गलत है कोई भी किसी पर आरोप लगा सकता है। अगर मंत्रियों का इस्तीफा ऐसे ही लिया जाने लगा तो सरकार चलाना मुश्किल हो जाएगा। गृहमंत्री अनिल देशमुख ने भी कहा कि लेटर बम की जांच होनी चाहिए, मुख्यमंत्री को भी इसकी जांच करवानी चाहिए। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी इसकी जांच करने के लिए कहा है। अगर सरकार इस जांच की चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार है, तो इस्तीफे का मुद्दा बार-बार क्यों उठाया जा रहा है

गौरतलब है कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे आठ पन्नों के लेटर के माध्यम से आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख अपने आवास पर पुलिस अधिकारियों को बुलाकर उनसे बार, रेस्तरां और अन्य स्थानों पर उगाही करने के लिए कहते थे। गृहमंत्री देशमुख ने इन पुलिस अधिकारियों को हर माह 100 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य दिया था। हालांकि इस मामले में अनिल देशमुख का कहना है कि ये आरोप निराधार हैं। ऐसा करके आइपीएस अधिकारी अपनी निजी जांच से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने बुलाई अधिकारियों की बैठक, भाजपा ने की नार्को टेस्ट की मांग

मुंबई । मुंबई के पूर्व पुलिस कमश्निर परमबीर सिंह द्वारा राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए आरोपों के बाद से ही राज्य में राजनीतिक हलचल मची हुई है। इसी बीच राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज (सोमवार) लॉ एंड ज्यूडिशरी से जुड़े बड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री ठाकरे ने कानून और न्याय विभाग से जुड़े अधिकारियों के साथ आज (सोमवार) शाम 4 बजकर 30 मिनट पर यह अहम बैठक बुलाई है। बता दें कि इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के अलावा गृह मंत्री अनिल देशमुख के नार्को टेस्ट कराने की मांग भी की जा रही है।

भाजपा ने की नार्को टेस्ट की मांग- भाजपा नेता राम कदम ने ट्वीट कर कहा, इस मामले को लेकर सीएम उद्धव ठाकरे समेत गृहमंत्री अनिल देशमुख दोनों स्वयं का नार्को टेस्ट कराते हुए तुरंत इस्तीफा दें और सच्चाई को सबके सामने लेकर आये। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाना चाहिये। राम कदम में अपने एक अन्य ट्वीट में कहा, सचिन वाझे मामले में सोमवार सुबह 11बजे मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले से मुलाकात करूंगा। इस मामले में ऐसे बहुत से खुलासे हुए है जिसके बाद सरकार के पास बचने का कोई भी रास्ता नहीं बचा है।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर ने लगाए गंभीर आरोप-मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर गंभीर आरोप लगाया है। परमबीर सिंह का कहना है कि पुलिस अधिकारी बार और होटलों से हर माह 100 करोड़ रुपये की वसूली कर उन्हें पहुंचाएं। इस मामले में रविवार रात एनसीपी प्रमुख शरद पवार के घर भी अहम बैठक हुई। बैठक में शरद पवार ने कहा ये आरोप बेहद गंभीर हैं लेकिन इस संबंध में किसी प्रकार का सबूत नहीं दिया गया है। इस मामले में गहन जांच की जरूरत है। राज्य सरकार ही इस बारे में अंतिम निर्णय लेगी।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी जोरहाट जिले में असम विधानसभा चुनाव से पहले एक चुनाव प्रचार अभियान के दौरान।

राजस्थान उप चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस और भाजपा, अजय माकन पहुंचेंगे जयपुर

जयपुर । राजस्थान की चार विधानसभा सीटों में से तीन पर होने वाले उप चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है। चुनाव आयोग के साथ ही प्रदेश में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश की चार विधानसभा सीटों सुजानगढ़, सहाड़ा, राजसमंद और वल्लभनगर में उप चुनाव होने हैं। इनमें से वल्लभनगर को छोड़कर शेष तीन सीटों पर चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसी सिलसिले में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने रविवार शाम प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रत्याशी चयन को लेकर विचार-विमर्श किया। इससे पहले अरूण सिंह दो दिन तक राजसमंद और भीलवाड़ा का दौरा कर के जयपुर पहुंचे।

उन्होंने भीलवाड़ा जिले की सहाड़ा व राजसमंद विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से संभावित प्रत्याशी को लेकर फीडबैक लिया। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन सोमवार को जयपुर पहुंचेंगे। वे यहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद चारों चुनाव क्षेत्रों के प्रमुख नेताओं के साथ भी माकन संभावित प्रत्याशियों के नामों को लेकर मंथन करेंगे। माकन का दो दिन तक यहां रहने का कार्यक्रम है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने भी उप चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करने की घोषणा की है। तीन सीटों पर मतदान 17 अप्रैल को होगा और 2 मई को मतगणना होगी। 23 से 30 मार्च तक नामांकन-पत्र दाखिल किए जा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि सुजानगढ़ में अशोक गहलोत सरकार के तत्कालीन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भंवरलाल मेघवाल के निधन के कारण उप चुनाव कराया जा रहा है। सहाड़ा में कैलाश त्रिवेदी व वल्लभनगर में गजेंद्र सिंह शक्तावत की मौत के कारण चुनाव हो रहा है। ये दोनों भी कांग्रेस के विधायक थे। कोरोना के कारण इनकी मौत हुई थी। राजसमंद सीट पर भाजपा की विधायक किरण माहेश्वरी के निधन के कारण चुनाव हो रहा है।

सुलझ गई गुत्थी एटीएस का दावाः मनसुख की मौत में सचिन वाझे का हाथ

मुंबई । महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने रविवार को कारोबारी मनसुख हिरेन की कथित हत्या के मामले को सुलझाने का दावा किया है। एटीएस ने एक निलंबित पुलिसकर्मी और सट्टेबाज को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र एटीएस के डीआईजी शिवदीप लांडे ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाझे ने अपराध में मुख्य भूमिका निभाई थी। वह मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आया है। सट्टेबाज ने वाझे को पांच सिम कार्ड मुहैया कराए थे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 30 मार्च तक एटीएस की हिरासत में रहने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि शनिवार देर रात गिरफ्तार दोनों आरोपियों की पहचान पुलिसकर्मी विनायक शिंदे और सट्टेबाज नरेश गौर के रूप में हुई है। अधिकारी ने दिन में सट्टेबाज का नाम नरेश धरे बताया था, लेकिन बाद में उसका नाम नरेश गौर बताया गया। उन्होंने बताया कि शिंदे 2006 के लाखन भैया फर्जी मुठभेड़ मामले का दोषी है। उसे आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। वह पिछले साल ही फरलो पर जेल से रिहा हुआ था। उसके बाद से ही शिंदे वाझे के संपर्क में था। वाझे फिलहाल राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में है।

अवैध गतिविधियों में वाझे की मदद

एनआईए उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास 25 फरवरी को विस्फोटक भरे वाहन मिलने के मामले की जांच कर रहा है। उक्त मामले में प्रयुक्त वाहन (एसयूवी, स्कॉर्पियो) मनसुख हिरेन की थी।

हिरेन का शव पांच मार्च को ठाणे में मिला। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को हिरेन हत्याकांड की जांच भी एनआईए को सौंप दी थी। अधिकारी ने बताया कि हिरेन हत्याकांड में सचिन वाझे मुख्य आरोपी है। उसने मुख्य भूमिका निभाई है। जांच के दौरान एटीएस को पता चला कि गौर ने एपीआई वाझे और शिंदे को अपराध के लिए पांच सिमकार्ड मुहैया कराए थे। शिंदे अवैध गतिविधियों में वाझे की मदद किया करता था।

अभी तफ्तीश जारी

उन्होंने कहा कि एटीएस जांच कर रहा है कि क्या मामले में और लोग भी संलिप्त हैं। उनकी क्या भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि एटीएस जांच कर रही है कि मुख्य षड्यंत्रकारी (हिरेन हत्याकांड में) कौन है। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपियों को मामले में पूछताछ के लिए शनिवार को एटीएस मुख्यालय बुलाया गया था। बाद में उन्हें गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया, महाराष्ट्र एटीएस ने अभी तक कई लोगों से पूछताछ की है, जिनमें पुलिस अधिकारी और मृतक के परिजन शामिल हैं। इन दो लोगों की गिरफ्तारी इस मामले में महत्वपूर्ण प्रगति है। एटीएस ने हिरेन हत्याकांड के संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ भादंसं की धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य मिटाने), 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र) और 34 (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच भाजपा ने कहा कि इस पूरे खेल में वाझे सिर्फ एक मोहरा हो सकता है।

महाराष्ट्र में आए 30 हजार से ज्यादा नए मामले, गुजरात में होली उत्सव पर रोक, एक बार फिर डराने लगे कोरोना के आंकड़े

नई दिल्ली । देश में कोरोना की रफ्तार पर लगाम लगती नजर नहीं आ रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार नए संक्रमितों का ग्राफ ऊपर की तरफ चढ़ रहा है। रविवार को तो चार महीने में पहली बार सबसे ज्यादा नए मामले सामने आए। तीन नवंबर के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा मौतें भी हुई हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना के 43,846 नए मामले मिले हैं, जबकि 197 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। वहीं, अकेले महाराष्ट्र की बात करें तो यहां एक दिन में 30,535 नए मामले सामने आए हैं और 99 लोगों की मौत कोरोना के चलते हुई है।कोरोना महामारी के खिलाफ जीती हुई बाजी को छह राज्य खतरे में डालते नजर आ रहे हैं। 80 फीसद से ज्यादा नए मामले इन्हीं राज्यों से मिल रहे हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य में महामारी की दूसरी लहर शुरू हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों के दौरान 43,846 नए मामले मिले हैं। इससे पहले पिछले साल 26 नवंबर को इससे ज्यादा 44,489 केस पाए गए थे। इस दौरान 197 लोगों की मौत हुई और 22,956 मरीज ठीक भी हुए। 97 दिनों बाद एक दिन में महामारी की वजह से इतनी मौतें हुई हैं।

कोरोना के सक्रिय मामले बढ़कर हुए 3,09,087

मंत्रालय के मुताबिक कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ 15 लाख 99 हजार को पार कर गया है। इनमें से एक करोड़ 11 लाख 30 हजार से अधिक मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और 1,59,755 लोगों की जान भी जा चुकी है। सक्रिय मामले बढ़कर 3,09,087 हो गए है, जो कुल संक्रमितों का 2.66 फीसद है। बीते 24 घंटों में 20,890 सक्रिय मामले बढ़े हैं। मरीजों के उबरने की दर घटकर 96 फीसद से नीचे (95.96 फीसद) आ गई है और मृत्युदर 1.38 फीसद पर बनी हुई है।

होलिका दहन की अनुमति को लेकर गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि राज्य में होली उत्सव के आयोजन पर रोक रहेगी, सिर्फ सीमित लोगों के साथ होलिका दहन की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को रंग खेलने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सबरकांठा जिले में एक ट्रस्ट की तरफ से संचालित छात्रावास में 39 छात्रों को संक्रमित पाया गया है।

इन छह राज्यों में स्थिति गंभीर

छह राज्यों में स्थिति गंभीर होती जा रही है। रविवार को 93.14 फीसद नए मामले इन्हीं राज्यों में पाए गए। इनमें महाराष्ट्र (27,126), पंजाब (2,578), केरल (2,078), कर्नाटक (1,798), गुजरात (1,565) और मध्य प्रदेश (1,308) शामिल हैं।

पिछले एक दिन के दौरान छह राज्यों में रिकॉर्ड मौतें हुई हैं, इनमें महाराष्ट्र (99), पंजाब (38), केरल (15), छत्तीसगढ़ (11), तमिलनाडु (8) और केरल (7) शामिल हैं।

शनिवार को 11.33 लाख टेस्ट

बढ़ते मामलों को देखते हुए दैनिक जांच भी तेज कर दी गई है। कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए शनिवार को 1133602 नमूनों की जांच की गई। पिछले 15 दिनों से अधिक समय में एक दिन में यह सबसे ज्यादा नमूनों की जांच है। इनको मिलाकर अब तक 23 करोड़ 35 लाख 65 हजार से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है।

टंकी में बंद होने से पांच बच्चों की मौत, सीएम अशोक गहलोत ने जताया दुख

जयपुर । राजस्थान में बीकानेर जिले के हिम्मतासर गांव में रविवार को हादसे में पांच बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में चार सगे भाई-बहन हैं। सभी मृतक बच्चों की उम्र आठ साल के आसपास है। पुलिस के अनुसार, हादसा बच्चों के लुका-छिपी के खेलने के दौरान हुआ। बच्चे छिपने के लिए घर में रखी अनाज की टंकी में बंद हो गए। इसी बीच, टंकी का ढक्कन अचानक बंद हो गया। ढक्कन बंद होने से उसका हैंडल कुंडे में लग गया, जिससे वे उसे ऊंचा कर के खोल नहीं सके। जिस समय यह घटना हुई, उस समय घर में कोई नहीं था। इस कारण बच्चों की किसी ने आवाज नहीं सुनी। दम घुटने से बच्चों की मौत हो गई। शाम को जब मां ने बच्चों को देखा तो वे कहीं नहीं मिले, उसने शक होने पर टंकी खोली तो बच्चे मिले।

बच्चों की मां ने लाश देखकर रोना शुरू कर दिया। इस पास आसपास के लोग घर उसके घर पहुंचे। बच्चों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार, किसान भीयाराम का पूरा परिवार सुबह 10 बजे से खेत पर गया हुआ था और घर में बच्चे ही खेल रहे थे कि यह हादसा हो गया। लोहे की टंकी 5 फीट गहरी और 3 फीट चौड़ी है। पुलिस के अनुसार, मृतक बच्चों में 4 वर्षीय सेवाराम,3 साल का राधा किशन,5साल की रविना,8 साल की रविना और 3 साल का माली शामिल है। पुलिस के अनुसार, जिस तरह से बच्चों के शव टंकी में मिले उससे पता चलता है कि वे लुका-छिपी के खेल के एक-दूसरे के ऊपर कूद गए और अचानक टंकी का ढक्कन गिर गया,कूंडा बंद होने से वे बाहर नहीं निकल सके। दम घुटने से उनकी मौत हो गई। इस बीच, सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट में लिखा कि हिम्मतसर गांव, नापासर (बीकानेर) एवं चिराना गांव, उदयपुरवाटी (झुंझुनू) में खेलते समय हुए हादसों में आठ बच्चों की हुई मौत बेहद हृदयविदारक व दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं, ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करें। घायल बच्चे के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है।

गुजरात में कोरोना के 1580 नए मामले, होली मनाने की इजाजत नहीं; भाजपा विधायक बोले-हमारे कार्यकर्ताओं को नहीं होता कोरोना

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1580 नए मामले आने के बाद कुल मामलों की संख्या 2,87,009 हो गई है। सात नई मौतों के बाद कुल मौतों की संख्या 4,450 हुई। सक्रिय मामले अब 7,321 हैं। 989 नए डिस्चार्ज के बाद कुल डिस्चार्ज की संख्या 2,75,238 हुई। इस बीच, गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि गुजरात में सीमित संख्या में होलिका दहन की मंजूरी रहेगी, लेकिन अगले दिन होली नहीं खेल सकेंगे।

कोरोना महामारी तथा गुजरात के शहरों में लगातार बढ़ती संख्याओं को देखते हुए राज्य सरकार ने रंग खेलने पर रोक लगा दी है। हालांकि एक दिन पूर्व सीमित संख्या में होलिका दहन मनाने के सरकार में छूट दी है। इधर, गुजरात के साबरकांठा जिले में एक छात्रावास में 39 छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

साबरकांठा में अब तक 3,281 मामले और 3,191 मामले सामने आए हैं। दूसरी ओर, राजकोट (दक्षिण) के भाजपा विधायक गोविंद पटेल ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता कोरोना से संक्रमित नहीं हैं, क्योंकि वह कड़ी मेहनत करते हैं।

गुजरात में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है सरकार ने स्कूल-कॉलेज के बाद अब ट्यूशन क्लासेस को भी बंद करने का आदेश कर दिया है।

उधर सिविल हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ जे पी मोदी ने कहा है कि डॉ अपने कर्तव्य के लिए अपनी निजी जिंदगी तक दांव पर लगा रहे हैं। गुजरात में कोरोना संक्रमण के अब तक 286864 केस सामने आ चुके हैं, जबकि मौत का आंकड़ा 4437 हो चुका है। बाद में अब तक 66100 से अधिक लोग कोविड-19 से संक्रमित हो चुके हैं जबकि 2329 लोगों की महामारी के चलते मौत हो चुकी है। दूसरे नंबर पर सूरत जहां 57500 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 983 लोगों की मौत हो चुकी है।

उदयपुर में मनाया राजस्थान का पहला पलाश फेस्टिवल

उदयपुर । विश्व वानिकी दिवस पर प्रदेश का पहला पलाश पुष्पन उत्सव रविवार को उदयपुर में मनाया गया। जनजाति अंचल में बहुतायत से पुष्पित-पल्लवित होने वाले पलाश की महत्ता को देश-दुनिया तक पहुंचाने और इसके प्रति स्थानीय निवासियों में गौरव पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में आज दिनभर प्रकृति प्रेमियों और वन विभागीय कार्मिकों ने चर्चा की।

वन विभाग द्वारा ग्राम किटोड़ा, ग्राम पंचायत काया के वनखण्ड समर में दई माता के पास स्थित पलाश कुंज में आयोजित इस पलाश पुष्पन महोत्सव के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा थे। जिला कलेक्टर देवड़ा ने पलाश के पेड़ों के संरक्षण-संवर्धन की आवश्यकता जताते हुए इनको स्थानीय आदिवासियों की आजीविका से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने वन विभाग को उदयपुर में पलाश गार्डन विकसित करने के भी निर्देश दिए।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. प्रदीप सोनी ने पलाश के पत्तों, फूलों, छाल, बीज व लकड़ी के मनुष्य के जीवन में धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक महत्व बताते हुये आयुर्वेदीय चिकित्सा में इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वन विभाग के सहयोग से विभिन्न वन सुरक्षा एवं प्रबन्ध समितियों के द्वारा गुलाब, अमलतास, पलाश के फूलों एवं पत्तियों से विभिन्न रंगों में तैयार कि गयी हर्बल गुलाल अतिथियों को भेंट की गयी।

समारोह में अतिथियों ने पलाश पुष्पन फोल्डर का विमोचन किया। सीसीएफ आर.के.सिंह ने वन क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न प्रजातियों जैसे खैर, आंवला, बेर, कटकरंज, गुलमोहर आदि के रेंज स्तर पर किये गये बीज संग्रहण की उपयोगिता बताते हुये जंगल में उपलब्ध हो रहे बीज को संभाग की सभी रेंजों में संग्रहित करने हेतु निर्देश दिये गये ताकि विभागीय नर्सरियों में गुणवत्ता युक्त स्वस्थ पौधे तैयार किये जा सकें।

इस तरह जन्मा पलाश महोत्सव का विचार

सेवानिवृत्त सीसीएफ व ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने बताया कि जापान और यूएस में जिस तरह चेरी के फूलों के खिलने के बाद चेरी ब्लूसम फेस्टिवल मनाया जाता है ठीक उसी तरह दक्षिण राजस्थान में पलाश के पेड़ों के पुष्पित होने की स्थितियों को देखते हुए सोसायटी द्वारा वर्ष 2020 में 12 मार्च को पलाश महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया था परंतु कोरोना लॉकडाउन के कारण गत वर्ष इसका आयोजन नहीं हो पाया। इस वर्ष इसे वन विभाग द्वारा वानिकी दिवस के मौके पर शुरू कर इसका बीजारोपण कर दिया गया।

पर्यटन स्थल बन सकती है पलाश वैली

उप वन संरक्षक मुकेश सैनी ने बताया कि पलाश के फूलों के खिलने का समय मार्च से अप्रैल, लगभग दो महीने का रहता है। इस दौरान यह पलाश वैली पलाश के फूलों से लकदक रहती है। पर्यटक एवं प्रकृति प्रेमी इस पलाश वैली के सौन्दर्य का आनन्द लेने तथा पहाड़ों की गोद में स्थित दईमाता जी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त कर सकते है, ऐसे में यह अच्छे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो सकता है।

टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद भारी पुलिस बल तैनात, भाजपा वर्कर्स पर हमले का आरोप

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंसा की घटनाएं भी तेज हो रही हैं। भाजपा और टीएमसी ने चुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। झारग्राम में एक टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। हंगामे की आशंका को देखते हुए झारग्राम अस्पताल के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंसा की घटनाएं भी तेज हो गई हैं। मालूम हो कि पश्चिम बंगाल के झारग्राम में एक टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। हमले में घायल टीएमसी कार्यकर्ता को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। टीएमसी का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं के कथित तौर पर हमले की वजह से टीएमसी कार्यकर्ता की जान गई है। बढ़े हंगामे की आशंका को देखते हुए झारग्राम अस्पताल के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

गौरतलब है कि चुनाव पास आते ही राज्य में हिंसक घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। जानकारी हो कि कुछ दिन पहले इलमबाजार में भाजपा कार्यकर्ता का शव मिला था। बंगाल के बीरभूम में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आने पर उस समय टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हत्या का आरोप लगाया गया था। जिसके बाद भाजपा और टीएमसी आने-सामने आ गए थे। अब टीएमसी वर्कर की हत्या के बाद टीएमसी दोनों पार्टियां एक बार फिर आमने-सामने हैं।

भाजपा बंगाल में मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में लोगों को बताएगी

मालूम हो कि विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे बंगाल में चुनाव प्रचार तेज होता जा रहा है। चुनावी प्रचार को लेकर भाजपा ने अहम निर्णय लेते हुए तय किया है कि उनके नेता मुख्यमंत्री व तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत हमले नहीं करेंगे। भाजपा अपना फोकस सकारात्मक प्रचार पर करेगा।

चुनाव प्रचार को लेकर लिया गया यह फैसला उसके नेताओं की सार्वजनिक सभाओं और रैलियों में दिखने भी लगा है, जिनमें वे अपने भाषणों में ममता बनर्जी पर हमला करने की बजाय विकास की बातें ज्यादा कर रहे हैं। भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की दिल्ली में हुई पिछली बैठक के बाद भाजपा नेताओं का कहना है कि भाजपा सकारात्मक प्रचार अभियान करेगी और केवल विकास के बारे में बात करेगी।

भाजपा बंगाल में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में लोगों को बताएगी। जाहिर है, मोदी सरकार ने राज्य में ढेर सारे विकास कार्य किए हैं, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार ने केंद्र की कई कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को रोकने का काम किया। इसी तरह भाजपा के एक नेता ने कहा कि जब मोदी सरकार के पास मतदाताओं को बताने के लिए इतना कुछ है तो क्यों समय बर्बाद करें। हमें मोदी सरकार के गवर्नेंस मॉडल पर फोकस करते हुए बंगाल सरकार की कमियों को उजागर करना चाहिए। भाजपा का मानना है कि कभी-कभी बहुत से व्यक्तिगत हमले प्रतिद्वंद्वी को सहानुभूति पाने में मदद करते हैं। फिर ममता बनर्जी तो वैसे ही चोट लगने के बाद व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार कर रही हैं और सहानुभूति पाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं।

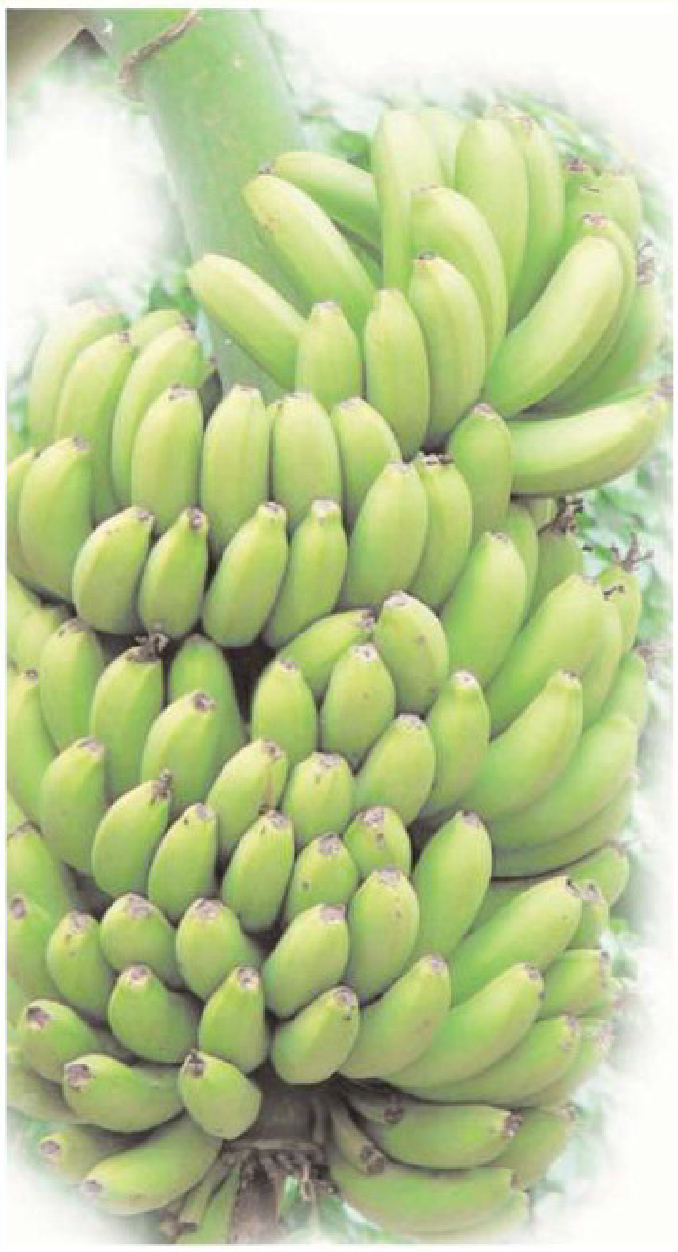

केले से आये बहार

(1) एच-1 (अग्निस्वार+पिसांग लिलिन)

यह लीफ स्पॉट फ्यूजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आती है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री

केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंत:भूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति

खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल

कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45345345 से.मी. आकार के गढ्डे खोदें प्रत्येक गढ्डे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्डे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें.

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि- केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफा पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छ: माह के अंदर चार बार में दें.

अंतरवर्तीय फसल

- मृग बहार :- इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.
- कांदा बहार- इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.
- फसल में सस्य क्रियाएं :- केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है. जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.
- मल्चिंग- जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है. प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.
- अंत:भूस्तरी (सकर्स) निकालना :- जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नर मादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.
- सहारा देना- जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना- केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन- केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है.

उन्नति का जरिया

अनानास

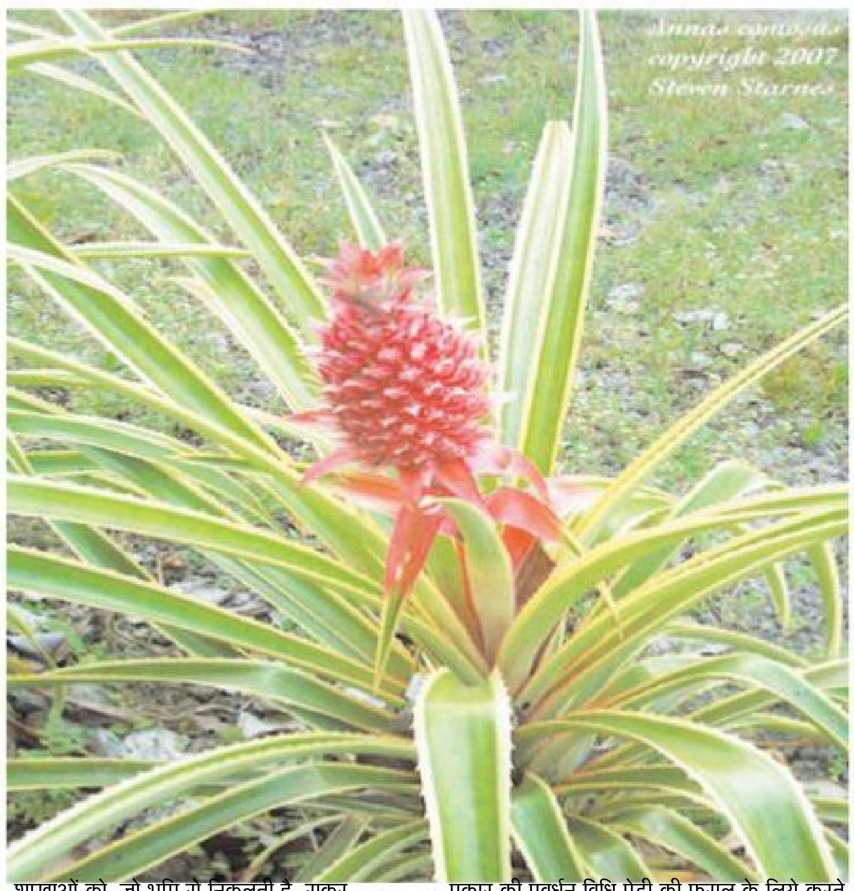

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

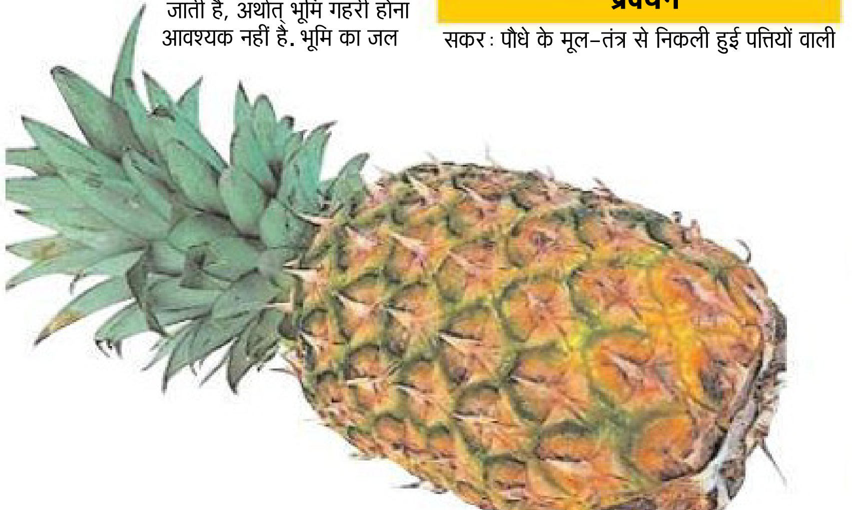

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन

सकर: पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशत: किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन: फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अत: पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

स्वादिष्ट खीरा उगाने की कला

- जलवायु :- खीरा गर्म मौसम की फसल है। यह पाला सहन नहीं कर सकता है। तापमान अधिक कम होने पर इसका विकास अवरूद्ध हो जाता है। इसे पर्याप्त मात्रा में सूरज की रोशनी मिलनी चाहिये। खीरे की अच्छी वृद्धि और उपज के लिये तापमान 20-26 डिग्री सेन्टीग्रेड होना अच्छा पाया गया है।

- भूमि :- खीरे को सभी प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है। फिर भी अच्छे उत्पादन के लिये उत्तम जल निकास वाली दोमट और रेतीली दोमट भूमि उपयुक्त रहती है। ऐसी भूमि जिसमें जैविक पदार्थ अच्छी मात्रा में उपलब्ध हो वह खीरे के लिये बढ़िया होती है। भूमि का पी.एच. मान 5.5 से 6.8 के बीच होना चाहिये। खेत में पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करके 2-3 जुताई देशी हल से कर लें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी को भुरभुरा समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में :-

- जापानी लांग ग्रीन :- यह किस्म 45 दिनों में तैयार हो जाती है। इसके फल 30-40 से.मी. लंबे और हरे रंग के होते हैं।
- स्ट्रेट 8 :- फल साधारण, लंबे, मोटे, सीधे एवं बेलनाकार होते है।
- पोइनसट :- यह किस्म मृदुरोमिल रोग की प्रतिरोधी है।
- चायना :- यह अधिक उपज देने वाली किस्म है, इसके फल 50 से.मी. लंबे, सीधे एवं बेलनाकार होते हैं।
- पूसा संयोग :- यह अधिक उपज देने वाली अगेती किस्म है। यह 50 दिनों में तैयार हो जाती है, फल 22-30 से.मी. लंबे और बेलनाकार गहरे हरे रंग के होते हैं।
- इनके अलावा हिंमागी, पूसा खीरा, भीतल, प्रिया, पूसा, उदय, स्वर्ण पूर्णा आदि भी प्रचलित किस्में हैं।
- बोआई का समय :- इसे गर्मी तथा बरसात दोनों ही मौसम में लगाया जा सकता है। गर्मी की फसल की बोआई जनवरी से मार्च तक की जाती है तथा बरसाती फसल के लिये बोआई जून-जुलाई में की जाती है। बीज को बोने से पहले पानी में डुबाकर रख लें या 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन से उपचारित कर लें, जिससे बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है। बीज के पंक्तियों में बोना चाहिये। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 150 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 60-90 से.मी. रखना चाहिये। बरसात में थाले बनाकर बोआई करते हैं। प्रत्येक थाले में 3-4 बीज बोते है तथा बाद में एक-दो पौधों को ही रखते हैं।
- बीज दर :- एक हेक्टेयर के लिये 2.5-3.5 कि.ग्रा. बीज पर्याप्त होता है।
- खाद एवं उर्वरक :- खीरे में खाद एवं उर्वरकों की मात्रा उसकी किस्म, मृदा एवं जलवायु के हिसाब से विभिन्न होती है। फिर भी मोटे तौर पर निम्नलिखित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों को प्रति हे. की दर से मृदा में मिलाया जा सकता है। गोबर खाद 370-490 क्विंटल, यूरिया 87 किलो सिंगल, सुपर फास्फेट 250 किलो, तथा म्यूरेट आफ पोटाश 167 किलो/हे. खेत तैयार करते समय गोबर खाद को मृदा में भली-भांति मिला दें। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा खेती की तैयारी में अच्छी तरह मिला लें नत्रजन की बची हुई आधी मात्रा फलन शुरू होने दें.
- सिंचाई :-बोआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई कर दें,

लगायें तरबूज-खरबूज

गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

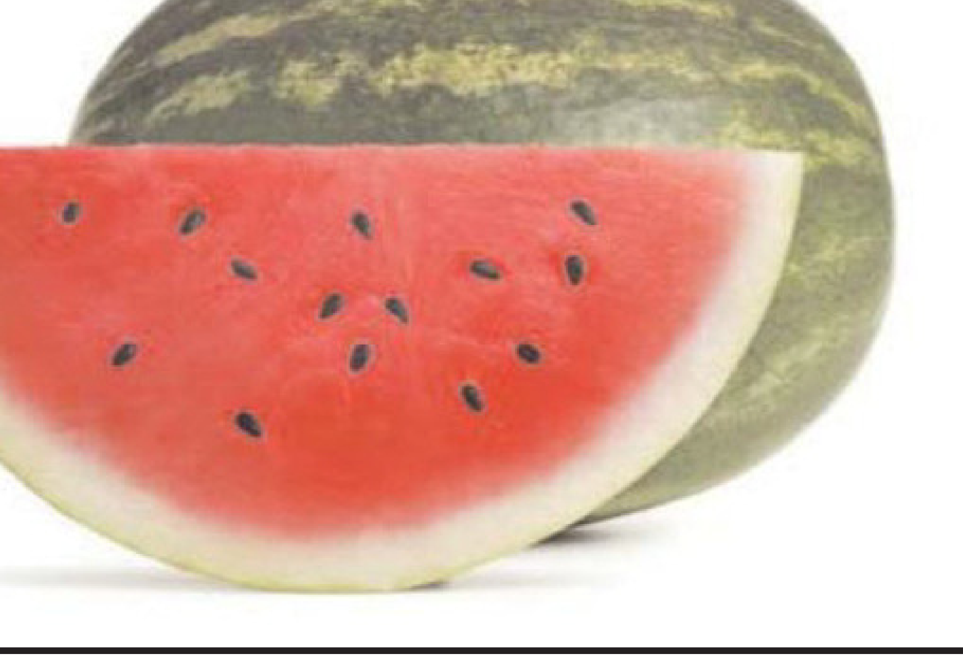

पहली पद्धति

नदी की रेतीली भूमि (रिवर बेड) में तरबूज एवं खरबूज की बोआई हेतु गड्ढा पद्धति अपनाया जाता हैं। इस विधि में कतार से कतार की दूरी तथा पौधे से पौधे की बीच की दूरी 2-3 मी. रखी जाती है। गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

दूसरी पद्धति

इस पद्धति में दियारा भूमि में कद्दूवर्गीय फसलों का उत्पादन करने के लिये 3 मीटर के अंतराल में 1 मीटर चौड़ी एवं 30 से.मी. मीटर गहरी ट्रेच या गड्ढा तैयार किया जाता है। यह पद्धति उन स्थानों पर तैयार किये जाते हैं, जहां कि ऊपरी 2 मीटर का रेत अन-उपजाऊ होता है। टेंच तैयार करने के पश्चात पहली पद्धति के समान ही खाद कम्पोस्ट एवं उर्वरक की सुझाई गई मात्रा से ट्रेंच को भर दिया जाता है ट्रेंच में नीम की खली एवं सरसों की खली भी डालें। पलवार द्य पलवार बिछावन के उपयोग से अच्छा अंकुरण होता है।
द्य बीजों की बोवाई करने के पश्चात पैरा या खरपतवारों के अवशेष का पलवार (मल्चिंग) अवश्य बिछायें। जिससे मृदा की नमी एवं तापमान नियंत्रित रहे। जब तरबूज एवं खरबूज के पौधे एक मीटर लम्बे हो जायें तब ट्रेंच से निकले रेत को दो कतार के बीच में बराबर कर दें तथा खरपतवार के सूखे पत्तों को दो कतारों के बीच में फैला देना चाहिए. इन फसलों के फल बाजार में फरवरी-मार्च में भेजने लायक हो जाते हैं।

पादप वृद्धि नियामकों का उपयोग

वर्तमान में सब्जी फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी हेतु पादप वृद्धि नियामकों का छिड़काव किया जा रहा है। कद्दूवर्गीय फसलों में मादा पुष्प की संख्या को बढ़ाने में वृद्धि नियामक कारगर साबित हुए हैं तथा उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है। खरबूज में 250 पीपीएम ईथरेल का छिड़काव करने से फल धारण क्षमता में वृद्धि होती है। इसका छिड़काव पौधों में दो-तीन सत्य पत्ती अवस्था में की जाती है। तरबूज में रसायन टीआईबीए (25-250 पीपीएम), बोरॉन (3-4 पीपीएम), मोलिब्डेनम (3-4 पीपीएम) एवं कैल्शियम (20-25 पीपीएम)का छिड़काव करने से फल अधिक लगते है। इनका छिड़काव तरबूज में दो सत्य पत्ती अवस्था में किया जाता है। गुदा का रंग लाल होता है। इस किस्म के पौधों में फूल खिलने के 30-35 दिन बाद फल परिपक्व हो जाते हैं।

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ने बताया उस टीम का नाम, जिसका वनडे सीरीज में पलड़ा रहेगा भारी

पटना। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज काफी रोमांचक रही, जिसे भारतीय टीम ने 3-2 के अंतर से जीता। सीरीज में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, जब पहला मैच जीतने के बाद इंग्लैंड ने दूसरा मैच गंवाया और फिर तीसरा मैच जीतकर चौथा मैच गंवाया, जबकि आखिर मैच में भी मेहमान टीम को करारी हार झेलनी पड़ा। अब लय भारतीय टीम के साथ है। ऐसे में तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने बताया है कि किस टीम का पलड़ा वनडे सीरीज में भारी रहेगा।

बिहार क्रिकेट लीग (बीसीएल) में अंगिका एवेंजर टीम के मेंटर के रूप में पटना आए भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने जागरण के साथ बातचीत में कहा कि टी20 सीरीज में विराट कोहली की फॉर्म की वापसी बेहद जरूरी थी। इसका असर आइपीएल ही नहीं, बल्कि टी20 विश्व कप पर भी दिखेगा। विराट कोहली ने टी20 सीरीज के फाइनल समेत पूरी सीरीज में तीन अर्धशतक जड़ते हुए कुल 231 रन बनाए। यहां तक कि वे पहले मैच में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद उन्होंने लय पकड़ी और दमदार पारियां खेलते हुए भारत को मैच जिताए।क्रिकेट में बढ़ रही स्लेजिंग के सवाल पर प्रसाद ने कहा कि क्रिकेटर मर्यादा के दायरे में रहकर कोई काम करें तो बेहतर होगा। 1996 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में आमिर सोहेल ने मेरी गेंद पर पहले चौका जड़ा। फिर अगली गेंद को भी उसी जगह मारने के लिए इशारा किया। बगैर स्लेजिंग किए मैंने इसका बदला अगली गेंद पर उन्हें बोल्ड कर लिया। ऐसा अब बहुत कम देखने को मिलता है। टी-20 टीम में तीन विकेटकीपर रिषभ पंत, केएल राहुल और इशान किशन की मौजूदगी को सही ठहराते हुए प्रसाद ने कहा कि इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। पंत बल्लेबाजी के साथ बढ़िया विकेटकीपिंग कर रहे हैं। राहुल किस स्तर के बल्लेबाज हैं। यह सभी को मालूम है। उम्मीद है वह जल्द फॉर्म में लौटेंगे। इशान बढ़िया बल्लेबाज के साथ अच्छे फील्डर भी हैं। विराट उनका इस्तेमाल इसी तरह करेंगे। हालांकि, मेरा मानना है कि वह विकेटकीपिंग में अपना सौ प्रतिशत दे सकते हैं।

पहले वनडे मैच में ये दो खिलाड़ी कर सकते हैं डेब्यू, ऐसी हो सकती है भारत की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के बाद टी20 सीरीज का भी समापन हो गया है। अब दोनों देशों को तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज में दो-दो हाथ करना है। कल यानी मंगलवार 23 मार्च से शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है और कौन-कौन से नए खिलाड़ियों को डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। इसके बारे में जान लीजिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने वनडे सीरीज के लिए तीन नए खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिनमें एक बल्लेबाज, एक ऑलराउंडर और एक गेंदबाज है। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा पहली बार भारत की वनडे टीम में चुने गए हैं, लेकिन इनमें से दो ही खिलाड़ियों को पहले वनडे मैच में अपना वनडे क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की प्लेइंग इलेवन में फिट करना पसंद करेंगे। भारतीय टीम रोहित शर्मा और शिखर धवन की ओपनिंग जोड़ी के साथ मैदान पर उतर सकती है, जबकि कप्तान विराट कोहली का तीसरा स्थान पक्का रहेगा। चौथे स्थान पर सूर्यकुमार यादव को आजमाया जा सकता है। ऐसे में पांचवें स्थान पर केएल राहुल और श्रेयस अय्यर के बीच में जंग होगी। छठे नंबर पर रिषभ पंत बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे, जबकि सातवें नंबर पर मैच फिनिशर के तौर पर हार्दिक पांड्या का दावा पुख्ता है

वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रीलंका के एक बल्लेबाज ने बनाए 70 रन और पूरी टीम पहली पारी में 169 रन पर ढेर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुरू हुआ। मेजबान टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका को पहली पारी में महज 169 रन पर ही ढेर कर दिया। श्रीलंका की तरफ से सिर्फ एक अर्धशतक देखने को मिला जो लहिरू थिरिमाने ने लगाया। दिन का खेल खत्म होने के वक्त वेस्टइंडीज ने बिना किसी नुकसान के 13 रन बनाए थे।

श्रीलंका क्रिकेट टीम का बुरा दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। घरेलू सीरीज में इंग्लैंड से हारने के बाद वेस्टइंडीज में भी वह खराब फॉर्म से उबर नहीं पाई। दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में खेलने उतरी श्रीलंका की टीम पहली पारी में महज 169 रन पर ही सिमट गई। टॉस जीतकर वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और गेंदबाजों ने इसे सही साबित किया।

पहली पारी में श्रीलंका के बल्लेबाजों पर पूर्व कप्तान जेसन होल्डर और केमार रोज भारी पड़े। दोनों ने मिलकर कुल 8 विकेट चटकाए। होल्डर ने 17.4 ओवर में 27 रन देकर 5 विकेट हासिल किए जबकि रोच ने 16 ओवर में 47 रन खर्च कर 3 बल्लेबाजों को आउट किया। करीम कार्नेवाल ने एक विकेट हासिल किया। श्रीलंका की तरफ से सिर्फ एक बल्लेबाज ने अर्धशतक बनाया। ओपनर थिरिमाने ने 180 गेंद का सामना कर 4 चौके की मदद से कुल 70 रन की पारी खेली। विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला ने 76 गेंद पर 32 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई बल्लेबाज कुछ खास योगदान नहीं कर पाया। टीम के छह बल्लेबाज दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच पाए।

वनडे सीरीज आज से

भारतीय टीम घर में इंग्लैंड से 29 साल से नहीं हारी, उसके खिलाफ लगातार छठी सीरीज जीतने का मौका

मुंबई। टी-20 सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया अब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए तैयार है। सीरीज के तीनों मैच 23, 26 और 28 मार्च को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के स्टेडियम में खेले जाएंगे। टीम इंडिया अपने घर में इंग्लैंड से 29 साल से द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हारी नहीं है। पिछली बार इंग्लैंड ने दिसंबर 1984 में 4-1 से सीरीज जीती थी। भारतीय टीम के पास अपने घर में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार छठी सीरीज जीतने का मौका है। टीम इंडिया ने घर में मार्च 2006 में इंग्लैंड को 5-1 से वनडे सीरीज में शिकस्त दी थी। इसके बाद से इंग्लिश टीम के खिलाफ लगातार 5 वनडे सीरीज जीती हैं।

दोनों टीमें 4 साल बाद भारतीय जमीन पर आमने-सामने हैं। टीम इंडिया ने जनवरी 2017 में अपने घर में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 2-1 से हराया था।

साल की पहली वनडे सीरीज खेलने उतरेगी भारतीय टीम : टीम इंडिया की यह साल की पहली वनडे सीरीज है। पिछली दो सीरीज में भारत को हार मिली थी। फरवरी 2020 में न्यूजीलैंड और नवंबर में

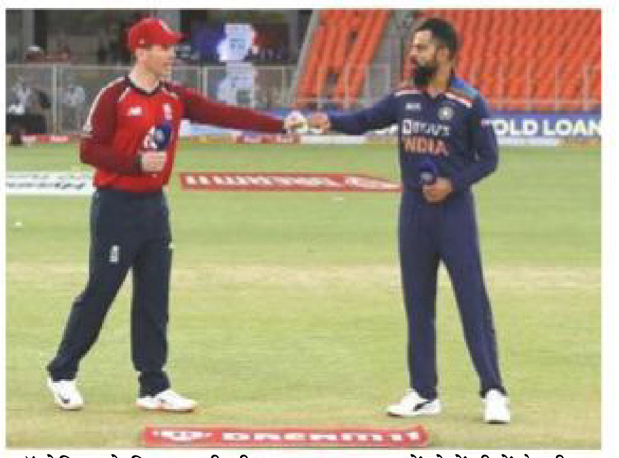

ऑस्ट्रेलिया ने शिकस्त दी थी। घर में भारतीय टीम ने पिछली दो सीरीज जीती हैं। उसने दिसंबर 2019 में वेस्टइंडीज और जनवरी 2020में ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी।

हेड-टु-हेड

दोनों टीमों के बीच अब तक 18 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली गई हैं। 9 में भारत को जीत मिली, जबकि इंग्लैंड ने 7 जीतीं। 2 सीरीज ड्रॉ रहीं।

भारत में दोनों टीमों के बीच 9 द्विपक्षीय सीरीज खेली गईं। इसमें टीम इंडिया ने 6 और इंग्लैंड ने एक सीरीज जीती है। दो सीरीज ड्रॉ रहीं। दोनों टीम के बीच अब तक 100 टी-20 खेले ए, जिसमें इंडिया ने 53 और इंग्लिश टीम ने 42 मैच जीते। 3 मुकाबले बेनतीजा रहे।

टीम इंडिया ने घर में इंग्लैंड से 48 वनडे खेले, जिसमें से 31 में जीत दर्ज की। 16 वनडे में हार मिली और 1 मैच टाई रहा।

टीम इंडिया के पास वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका

3-0 से सीरीज जीतने पर टीम इंडिया ICC वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंच जाएगी। फिलहाल, इंग्लैंड 123 पॉइंट के साथ टॉप पर है। दूसरे नंबर पर काबिज भारतीय टीम के 117 पॉइंट हैं।

ICC वनडे बैट्समैन की रैंकिंग के टॉप-10 में 2 भारतीय हैं। इनमें विराट कोहली टॉप पर और रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर काबिज हैं। इंग्लैंड का कोई बैट्समैन टॉप-10 में शामिल नहीं है। बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-10 में दोनों टीम के एक-एक खिलाड़ी हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे और इंग्लिश पेसर क्रिस वोक्स 5वें नंबर पर काबिज हैं। हालांकि दोनों खिलाड़ी मौजूदा सीरीज नहीं खेल रहे हैं।

ये छोरियां, छोरों से कोई कम है के:पुरुषों की क्रिकेट टीम में तीन लड़कियां, खेलने में उनसे भी बेहतर

बांसवाड़ा। ये छोरियां, छोरों से कोई कम है के... दंगल फिल्म का यह चर्चित डायलॉग सुना ही होगा। यह बांसवाड़ा की तीन बेटियों पर स्टीक बैठता है। रोज चिश्ती मीडियम प्रेशर गेंदबाजी, अशफिया चिश्ती बल्लेबाजी व ऑफ स्पिन गेंदबाजी के साथ आलराउंडर और भूमि कलाल बल्लेबाजी में कमाल कर रही है।

तीनों ही बेटियां लंबे समय से पुरुषों की टीम के साथ शहर की ए जेड एकेडमी में अभ्यास कर रही हैं। वहीं हाल ही में चल रहे कुशलबाग मैदान में लेदर बॉल की क्रिकेट प्रतियोगिता में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। जहां एक मैच में अशफिया चिश्ती ने 32 रनों की पारी के साथ 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रही। ये तीनों ही लड़कियां मैच प्रैक्टिस करती हुई दिखाई देती हैं, चाहे मैदान हो या फिर घर। एकेडमी के कोच अजहर शेख ने बताया कि यहां महिलाओं की कोई टीम नहीं है, लेकिन लड़कियों को खेलने के लिए बहुत ज्यादा क्रेज है। जो लड़कों की टीम के साथ खेलने के लिए भी तैयार है। रोज चिश्ती 10वीं कक्षा में है। वह 3 साल से क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रही है। जो मीडियम प्रेशर गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करती है। रोज ने बताया कि वह स्टेट ट्रायल के लिए जयपुर भी गई थी। जहां उनका ट्रायल भी हुआ लेकिन कोरोना वायरस के बाद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। वह सुबह 5 बजे उठाकर ही प्रैक्टिस करती है। दोनों बहिनों को पिताजी फुरखान अहमद उन्हें ट्रेनिंग देते हैं। रोज चिश्ती की बड़ी बहिन अशफिया चिश्ती भी क्रिकेट में अपना दमखम लगा रही है। अशफिया इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट: जीत गए इंडिया वाले

सचिन के चौकों ने दिल जीता युवराज-यूसुफ के जोड़ी ने दिलाई जीत, श्रीलंका लिजेंड्स को 14 रनों से हराया

रायपुर। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज का फाइनल मैच भारतीय खिलाड़ियों ने अपने नाम किया। इंडिया लिजेंड्स ने 14 रन से श्रीलंका लिजेंड्स को हरा दिया। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में खेल रहे भारतीय लिजेंड्स ने अपनी परफॉर्मेंस से एक बार फिर साबित किया कि लिजेंड खिलाड़ी हमेशा लिजेंड ही होते हैं। खेले गए रोड सेफ्टी क्रिकेट के फाइनल मैच में टॉस जीतकर श्रीलंका ने सबसे पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। भारतीय खिलाड़ियों को मैदान पर रन बनाने का मौका सबसे पहले मिला। इंडिया लिजेंड्स क्रिकेट टीम ने 181 रन 4 विकेट खोकर बनाएं और 182 रन का लक्ष्य श्रीलंका के सामने रखा। सचिन और सहवाग की मशहूर जोड़ी एक बार फिर मैदान में थी। लोगों को वर्ल्ड कप का वह मैच याद आ गया जो भारत और श्रीलंका के बीच साल 2011 में खेला गया था। रायपुर के लोगों में जोश भी वैसा ही नजर आया पूरे स्टेडियम में जीतेगा भाई जीतेगा इंडिया जीतेगा के नारे लगते रहे। क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने अपनी बैटिंग के दौरान शानदार शॉट खेलते हुए 5 चौके लगाए हालांकि 30 रन बनाकर सचिन आउट हो गए। इस मैच में सहवाग का बल्ला नहीं चला वह एक छक्का जरूर लगाने में कामयाब रहे।

ISSF शूटिंग वर्ल्ड कप-दिव्यांश और इलावेनिल ने भारत को चौथा गोल्ड दिलाया

10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड इवेंट के फाइनल में हंगरी को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे ISSF शूटिंग वर्ल्ड कप के चौथे दिन भारत ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। दिव्यांश सिंह और इलावेनिल वलारिवान की जोड़ी ने फाइनल में हंगरी की टीम को 16-10 से हराया। यह दिव्यांश का इस टूर्नामेंट में दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 10मी एयर राइफल मेन्स इवेंट में ब्रॉन्ज जीता था।

वहीं, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में भारत के अभिषेक वर्मा और यशस्विनी देशवाल की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने तुर्की को 17-13 से हराया। भारत ने अब तक टूर्नामेंट में 4 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत कुल 11 मेडल जीते हैं। टीम इंडिया टूर्नामेंट में फिलहाल टॉप पर है।

'खोया हुआ आत्मविश्वास वापस मिल चुका है'

दिव्यांश सिंह ने कहा कि मैं मिक्सड इवेंट को काफी इंजॉय करता हूं। इसमें मानसिक दबाव कम होता है। अगर आपका एक खराब शॉट भी चला जाता है, तो संभालने के लिए आपके पास

पार्टनर होता है। जबकि इंडिविजुअल में ऐसा नहीं है। मैंने जब इस वर्ल्डकप में शुरुआत की था, तो नर्वस था। अब फिर से मुझ में आत्मविश्वास आया है।

इलावेनिल ने जीत के बाद कहा कि मुझे इस मेडल की काफी जरूरत थी। मैंने मेडल जीतने को अपना टारगेट बनाया था और उसी प्रकार तैयारी भी की। मैंने अब इस टारगेट को हासिल कर लिया है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ISSF शूटिंग वर्ल्ड कप के तीसरे दिन भारत ने यह मेडल जीते -

10 मीटर एयर पिस्टल मेन्स टीम ने गोल्ड जीता। टीम में सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा और शाहजार रिज्वी शामिल थे।

10 मीटर एयर पिस्टल वुमन्स टीम ने गोल्ड जीता। टीम में यशस्विनी देसवाल, मनु भाकर और श्रीनिवेथा परमानंथ शामिल थे। 10 मीटर एयर राइफल मेन्स टीम ने सिल्वर जीता। टीम में एश्वर्य प्रताप सिंह, दीपक कुमार और पंकज कुमार शामिल थे।

गनीमत शेख ने स्कीट वुमन्स सिंगल्स इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। वे ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला शूटर हैं।

ISSF शूटिंग वर्ल्ड कप के दूसरे दिन भारत ने यह मेडल जीते -

10 मीटर एयर पिस्टल में यशस्विनी देसवाल ने मनु भाकर को हराकर भारत के लिए पहला गोल्ड जीता था। मनु को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

18 साल के दिव्यांश सिंह ने 10 मीटर एयर राइफल मेन्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

10 मीटर एयर पिस्टल मेन्स में सौरव चौधरी ने सिल्वर मेडल और अभिषेक वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

साउथ अफ्रीकी महिला टीम 6 विकेट से जीती: भारत को उनके घर में पहली बार टी-20 सीरीज में हराया; अफ्रीका ने वनडे सीरीज भी 4-1 से अपने नाम किया था

नई दिल्ली। लखनऊ में खेले गए महिलाओं के दूसरे टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ अफ्रीकी टीम ने भारत में पहली बार टी-20 सीरीज पर कब्जा जमाया। पहला मैच साउथ अफ्रीका ने भारत को 8 विकेट से हराया था। सीरीज का आखिरी मैच 23 मार्च को खेला जाएगा। इससे पहले अफ्रीकी टीम ने 5 मैचों की वनडे सीरीज को भी 4-1 से जीता था। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 158 रन का टारगेट दिया। इसे साउथ अफ्रीकी टीम ने मैच के आखिरी गेंद पर 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। आखिरी ओवर में साउथ अफ्रीका को जीतने के लिए 9 रन चाहिए था इसे वोल्वार्ड्ट और नदाइन डी क्लर्क ने हासिल कर लिया।

रिचा ने 26 गेंद पर 44 रन और शेफाली ने 47 रन की पारी खेली

रेगुलर कप्तान हरमनप्रीत कौर के बगैर उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। स्टैंडिंग कैप्टन स्मृति मंधाना 7 रन बनाकर आउट हुईं। ओपनर शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के जड़े।

इसके बाद टीम इंडिया की ओर से छोटी-छोटी पार्टनरशिप हुई। हरलीन देओल ने 31 गेंद पर 31 रन बनाए। वहीं, रिचा घोष ने 26 गेंदों पर 44 रन की नाबाद पारी खेली। साउथ अफ्रीका की ओर से शबनिम इस्माइल, नॉनकुलुलेको म्लाबा , नदाइन डी क्लर्ड और एनी बॉश ने 1-1 विकेट लिया।

राजेश्वरी ने साउथ अफ्रीका को 9 रन पर पहला झटका दिया

159 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लेग स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर एनी बॉश का विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। उस समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 9 रन था।

इसके बाद लिजेल ली ने दो साझेदारी कर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कप्तान सुने लूस के साथ 58 और वोल्वार्ड्ट के साथ 50 रन की पार्टनरशिप की। ली ने 45 गेंदों पर 70 रन की पारी खेली। उन्हें राधा यादव ने आउट किया। लूस (20) को दीप्ति शर्मा ने रन आउट किया।

साउथ अफ्रीकी टीम ने आखिरी दो ओवर में मैच जीता

साउथ अफ्रीका के लिए आखिरी दो ओवर काफी महत्वपूर्ण रहे। साउथ अफ्रीका को 12 गेंद पर 19 रन बनाने थे। 19वें ओवर में हरलीन ने पहले ही गेंद पर डू प्रीज को आउट कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने ओवर में दो चौके भी दे दिए।आखिरी ओवर में 9 रन बनाने थे। अरुंधती रेड्डी ने पहली 4 गेंदों पर 3 रन दिए और साउथ अफ्रीका को आखिरी 2 गेंदों पर 6 रन की जरूरत थी।

वनडे सीरीज के लिए पुणे पहुंची टीम इंडिया: एयरपोर्ट पर विराट के साथ नजर आईं अनुष्का और वामिका; हार्दिक-नताशा और चहल-धनश्री भी पुणे पहुंचे

पुणे। 23 मार्च से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पुणे पहुंच चुकी है। सीरीज के सभी मैच बंद स्टेडियम में खेले जाएंगे। अहमदाबाद से पुणे के लिए निकलते वक्त भारतीय कप्तान विराट कोहली पत्नी अनुष्का और बेटी वामिका के साथ नजर आए। वहीं, युजवेंद्र चहल-धनश्री और हार्दिक पंड्या भी पत्नी नताशा स्टेनकोविक और बेटे अगस्त्य के साथ एयरपोर्ट पहुंचे थे इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

पुणे एयरपोर्ट पर नजर आए विराट, अनुष्का और वामिका

पुणे एयरपोर्ट पहुंचने के बाद के वायरल हो रहे इस वीडियो में विराट पिता की भूमिका निभाते दिखे। उन्होंने एक हाथ में बेटी वामिका के प्रैम और दूसरे हाथ में सामान उठा रखा था।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते वक्त अनुष्का वामिका को गोदी में एक शॉल के अंदर ढककर लाती हुई दिखीं। वहीं, विराट सामान उठा रहे थे।

टेस्ट सीरीज के दौरान परिवार को रुकने की इजाजत नहीं थी

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान BCCI ने भारतीय खिलाड़ियों को उनके परिवार के साथ रुकने की इजाजत नहीं दी थी। टी-20 सीरीज के दौरान BCCI ने इसमें छूट दी थी। तीसरे टी-20 के दौरान अनुष्का और वामिका अहमदाबाद पहुंची थीं और विराट के साथ होटल हयात में रुकी थीं।

अहमदाबाद में खिलाड़ियों के कमरे के बाहर नेम प्लेट लगाया था

होटल हयात में सभी खिलाड़ियों के कमरे के बाहर विशेष नेम प्लेट लगाया गया था। इन पर खिलाड़ियों की फैमिली के सभी मेंबर्स के नाम लिखे हुए थे। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक भी पत्नी नताशा और बेटे अगस्त्य के साथ रुके हुए थे। इसके अलावा कई अन्य खिलाड़ी भी अपने परिवार के सदस्यों के साथ होटल में ठहरे हुए थे।

कमरे के अंदर बच्चों के लिए विशेष प्लेइंग जोन

अहमदाबाद के होटल में बायो-बबल में होने के चलते खिलाड़ी अपनी मर्जी से यहां से बाहर नहीं जा सकते थे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए होटल ने विशेष व्यवस्था की थी। वहीं, कमरों के अंदर बच्चों के खेलने के लिए भी अरेंजमेंट्स किए गए थे। होटल के इन अरेंजमेंट्स की कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

चहल-धनश्री और सूर्यकुमार-देविशा की जोड़ी भी नजर आई

अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो युजवेंद्र चहल-धनश्री और सूर्यकुमार-देविशा की जोड़ी भी अहमदाबाद में रुकी थी।

इन जोड़ियों को भी पुणे एयरपोर्ट पर देखा गया। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। दूसरा मैच 26 मार्च और तीसरा मैच 28 मार्च को खेला जाएगा। पुणे में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से दर्शकों की एंट्री बैन रहेगी।